मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 09 जनवरी 2026
संवत 2082, माघ कृष्णपक्ष 6 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-9, अंक 121, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 'पर्याप्त' संख्या नहीं सोच है !

कंगना रनौत ने नई फिल्म 'भारत भाग्य विधाता'की शूटिंग... 6

जस्टिस महेश शरदचंद्र सोनक बने झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

राज्यपाल ने दिलाई पद और गोपनीयता की शपथ

- राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने नये मुख्य न्यायाधीश को दी बधाई
- इनका कार्यकाल 28 नवंबर 2026 तक रहेगा

मेट्रो रेज

रांची: जस्टिस महेश शरदचंद्र सोनक ने आज झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ली। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन के बिरसा मंडप में उन्हें पद की शपथ दिलाई। इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, स्पीकर रवींद्रनाथ महतो, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, उच्च न्यायालय के कई न्यायाधीश उपस्थित रहे। जस्टिस महेश शरदचंद्र सोनक इससे पहले मुंबई उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे। जस्टिस सोनक अक्तूबर 1988 में महाराष्ट्र एवं गोवा बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में नामांकित हुए। इसके बाद उन्होंने बांबे हाई कोर्ट की पणजी पीठ में सिविल व संवैधानिक कानून, श्रम एवं सेवा कानून, पर्यावरण कानून, वाणिज्यिक एवं कर कानून, कंपनी कानून तथा जनहित याचिकाओं के क्षेत्र में व्यापक प्रैक्टिस की। विधिक करियर के दौरान वे केंद्र सरकार के लिए अतिरिक्त स्थाई अधिवक्ता, राज्य सरकार के लिए विशेष अधिवक्ता व निगमों के लिए कानूनी सेवाएं प्रदान कर चुके हैं। उनकी विधिक दक्षता और अनुभव को देखते हुए 21 जून 2013 को उन्हें बांबे हाई कोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया। जस्टिस सोनक का जन्म 28 नवंबर 1964 को हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गोवा के पणजी स्थित डान बॉस्को हाई स्कूल से पूरी की। इसके बाद उन्होंने धेम्पे कालेज आफ आर्ट्स एंड साइंस से बीएससी की पढ़ाई की। एमएस कालेज आफ ला, पणजी से प्रथम श्रेणी में एलएलबी की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने जेवियर सेंटर आफ हिस्टोरिकल रिसर्च से पुर्तगाली भाषा में डिप्लोमा भी हासिल किया। गौरतलब है कि जस्टिस तरलोक सिंह चौहान का कार्यकाल समाप्त होने के बाद कल 8 जनवरी को उनके सम्मान में फुल कोर्ट फेयरवेल रेफरेंस आयोजित कर विदाई दी गई।

ट्रंप ने की रेड लाइन क्रॉस, फ्रांस से ऐसा दहाड़े जयशंकर,अमेरिका में भूचाल

नई दिल्ली: पेरिस में भारत ने बिना शोर मचाए अमेरिका तक को बेचैन कर देने वाला संदेश दे डाला है जब पूरी दुनिया अमेरिका के अगले कदम को लेकर सहमी हुई है। जब डोनाल्ड ट्रंप की वापसी के बाद धमकियां, दबाव और दादागिरी या फिर यह कह लें गुंडागर्दी फिर से लौट आई है। ठीक उसी वक्त भारत ने एक ऐसी शांत लेकिन निर्णायक चाल चली है जिससे वाशिंगटन के गलियारों में पसीना छूटना तय है। दरअसल भारत के विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर फ्रांस की राजधानी पेरिस पहुंच चुके हैं और उन्होंने वहां साफ शब्दों में कहा कि फ्रांस हमारे सबसे पुराने रणनीतिक साझदारों में से एक है और यूरोप में हमारा पहला रणनीतिक साझेदार है। अब इसे सामान्य बयान मत समझिए। यह एक भू- राजनीतिक संदेश है। मतलब साफ है भारत अब यूरोप में अमेरिका के इशारों से नहीं अपनी शर्तों पर रिश्ते निभा रहा। ट्रंप के आते ही नाटो को धमकी, यूरोप पर दबाव, व्यापार युद्ध की चेतावनी और जो मेरे साथ नहीं वो मेरे खिलाफ वाली नीति। पूरी दुनिया में अनिश्चितता का माहौल और ठीक इसी माहौल पर जयशंकर ने पेरिस से चोट की। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट के साथ बोलते हुए, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यूरोप गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है जिनके वैश्विक सुरक्षा पर दूरगामी प्रभाव होंगे।

ईडी रेड के खिलाफ दिल्ली में अमित शाह के दफ्तर के बाहर टीएमसी सांसदों का धरना

- 8 सांसद हिरासत में, कोलकाता में आज ममता का मार्च

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम बंगाल की सियासी लड़ाई अब देश की राजधानी दिल्ली की सड़कों पर उतर आई है। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस और केंद्र सरकार के बीच तनातनी उस वक्त और बढ़ गई, जब पार्टी के 8 सांसदों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दफ्तर के बाहर डेरा डाल दिया। ये सांसद कोलकाता में हुई प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के खिलाफ अपना विरोध जता रहे हैं और इसे केंद्र सरकार की बदले की कार्रवाई बता रहे हैं। दरअसल, गुरुवार को ईडी ने कोलकाता में कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस कार्रवाई के दौरान जांच एजेंसी की टीम आईपीएसी कंपनी के दो ठिकानों पर भी पहुंची। यह वही कंपनी है जो तृणमूल कांग्रेस के चुनावी प्रबंधन और रणनीतियों की जिम्मेदारी संभाल रही है। इस रेड ने टीएमसी नेतृत्व को भड़का दिया है। पार्टी ने इसे सीधे तौर पर राजनीति से प्रेरित कदम करार दिया है। टीएमसी का आरोप है कि पश्चिम बंगाल में उनके चुनावी अभियान को बाधित करने और पार्टी को कमजोर करने के लिए केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। गृह मंत्री के दफ्तर के बाहर धरना देने वाले इन सांसदों में पार्टी के कई दिग्गज और तेज-तर्रार चेहरे शामिल हैं। डेरेक ओ ब्रायन, महुआ मोइत्रा, शताब्दी रॉय, कीर्ति आजाद, साकेत गोखले, प्रतिमा मंडल, बापी हलदर और डॉ। शर्मिला सरकार ने मोर्चा संभाल रखा है। इन नेताओं का कहना है कि वे डरने वाले नहीं हैं और एजेंसियों के इस कथित दुरुपयोग के खिलाफ अपनी आवाज पूरी मजबूती से उठाएंगे। इस प्रदर्शन ने संसद के गलियारों से लेकर बंगाल तक का राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है।

लैंड फॉर जॉब केस कोर्ट ने लालू परिवार समेत 40 पर आरोप किया तय

नई दिल्ली : लैंड फॉर जॉब केस में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में लालू परिवार समेत 40 आरोपियों पर आरोप तय कर दिए हैं। अब इन सभी के खिलाफ मुकदमा चलेगा। वहीं, कोर्ट ने 52 आरोपियों को बरी कर दिया है।
शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान लालू यादव की बड़ी बेटी और सांसद मीसा भारती तथा बेटे तेजप्रताप यादव दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज किया गया है। कोर्ट ने लालू प्रसाद यादव पर भ्रष्टाचार के आरोप तय किए हैं। इसके साथ ही भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत अन्य अपराधों के भी आरोप लगाए गए हैं। वहीं, उनके परिवार के सदस्यों पर धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश रचने के आरोप तय किए गए हैं। कोर्ट ने उपलब्ध सबूतों के आधार पर यह माना है कि लालू यादव के खिलाफ लगाए गए आरोपों में प्रथम दृष्टया दम है। इसी आधार पर अब मामले का ट्रायल चलेगा। ट्रायल के दौरान दोनों पक्षों की दलीलें सुनी जाएंगी, जिसके बाद कोर्ट अपना अंतिम फैसला सुनाएगी। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव निचली अदालत के इस फैसले को उच्च अदालत में चुनौती दे सकते हैं और अपील दायर कर सकते हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

नशा सिर्फ शरीर को ही नहीं आपके भविष्य को भी बर्बाद करता है : पीएलवी संदीप

चतरा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा सचिव के निर्देश पर हंटरगंज प्रखंड के अधिकार मित्र संदीप कुमार गुप्ता,अक्षय कुमार, मिथलेश कुमार और गुड़िया कुमारी के द्वारा गुरुवार को नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जिंदगी को हां,नशा को ना,विषय पर दंतार पंचायत के नावाडीह और खुटीकेवाल गांव में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उपस्थित लोगों को नशीली ड्रग्स के उपयोग न करने, साथ ही नशामुक्त भारत बनाने के लिए प्रेरित किया गया। नशीली दवाओं के सेवन करने से शारिरिक नुकसान होने की जानकारी दी गई। साथ ही मानव व्यापार पर भी लोगो को जागरूक किया गया। अधिकार मित्र संदीप कुमार ने बताया कि नशीली दवाओं के सेवन से शारीरिक नुकसान होने के साथ साथ आर्थिक नुकसान भी होता है। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों को नशे की बुरी आदतों और अवैध तस्करी के खतरों से जागरूक करना तथा समाज को इससे मुक्त बनाना है। कार्यक्रम में सैकड़ों लोग मौजूद थे।

संजू हत्याकांड के मुख्य आरोपी ने कोर्ट में किया सरेंडर

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना पुलिस के लगातार दबाव के बाद संजू हत्या कांड के मुख्य आरोपी बोडा मोड गांव निवासी अरविंद भारती ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर लिया। जिसे हंटरगंज पुलिस 24 घंटे के रिमांड पर लेकर हत्या से संबंधित पूछताछ कर रही है। ज्ञात हो कि 24 नवंबर को आसना डाहा गांव निवासी संजू भारती बैंक से पैसा निकालने डुमरी बैंक गया था।इसी दौरान संजू की पत्नी रीना देवी, प्रेमी अरविंद भारती एवं उनके एक दोस्त के द्वारा एक स्कॉर्पियो से अपहरण कर हत्या कर दिया गया था और उसके शव को चतरा संघरी घाटी में फेंक दिया गया था। इस घटना में पुलिस ने पत्नी एवं एक अन्य मित्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जिसके बाद पुलिस लगातार आरोपी अरविंद की गिरफ्तारी को लेकर तलाशी छापेमारी अभियान चला रही थी। थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि जिसके बाद दबाव में आकर कोर्ट में आरोपी ने आत्मसमर्पण किया। पुलिस आरोपी को 24 घंटे के रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार रिमांड के दौरान आरोपी से हत्याकांड से जुड़े महत्वपूर्ण सवाल पूछे जाएंगे।

पुलिस अधीक्षक ने की महत्वपूर्ण बैठक

चतराः समाहरणालय स्थित एसपी कार्यालय में गुरुवार को एसपी सुमित कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, सिमरिया, पुलिस उपाधीक्षक(मु) चतरा के साथ लोक अभियोजक, सहायक लोक अभियोजक एवं कोर्ट में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियो/कर्मियों तथा कोर्ट नोडल पदाधिकारियों के कार्यो की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में अपराधियो की सजा दर को बढ़ाने, अपने थाना से संबंधित गवाहों को माननीय न्यायालय में ससमय उपस्थित करवाना, तीन बार नोटिस देने के बावजुद भी गवाही नही देने वाले पुलिसकर्मियों के विरूद्ध कार्रवाई, जमानत पर मुक्त हुए अपराधियों की सूची संधारित, निष्पादित काण्डों में अंतिम ज्ञाप काट कर दैनिक प्रतिवेदन में समाहित करना, न्यायालय में आत्मसमर्पण करने वाले अभियुक्तों का दैनिक प्रतिवेदन में प्रविष्टि करना, लोक अभियोजक से समन्वय स्थापित कर अनुसंधानकर्ताओं के समस्याओं का निराकरण कराने हेतु दिशा-निर्देश दिये गये।

भराठि बंदूक के साथ चाचा गिरफ्तार

चतराः जिला पुलिस ने एक कार्रवाई में भूमि विवाद में जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने के आरोप में चाचा को भराठि बंदूक के साथ गिरफ्तार किया है। आज अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि सदर थाना क्षेत्र के बैरियों गांव के ललन कुमार (20 वर्ष) को भूमि विवाद को लेकर 01 जनवरी को उसके चाचा जोधी गंझू ने भरठिया बंदूक से जान मारने के नियत से फायरिंग की थी। इस संबंध में आवेदक ने सदर थाना में प्राथमिकी के लिए आवेदन दिया था। आवेदन के पश्चात थाना कांड संख्या-09/2026, दिनांक-05.01.2028. धारा-109/352 भारतीय न्याय संहिता एवं 27 आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि 07 जनवरी को गुप्त सूचना मिली थी कि उपरोक्त कांड का प्राथमिकी अभियुक्त ग्राम-बैरियों में अपने खेत तरफ भ्रमण कर रहा है। सूचना के पश्चात चतरा एसडीपीओ संदीप सुमन के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल ने त्वरित कार्रवाई में कांड के प्राथमिकी अभियुक्त जोधी गंझू को बैरियों से गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने बताया कि अभियुक्त की निशानदेही पर कांड में प्रयुक्त भराठि बंदुक एवं फायर की गई गोली को बरामद की गई है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिसरात में भेज दिया गया है।छापामारी दल में चतरा एसडीपीओ संदीप सुमन, सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार,पुअनि मो० कासीम अंसारी, सदर थाना एवं थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

रामगढ़ में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

15 हजार रिश्वत लेने के आरोप में डाक ओवरसियर को किया गिरफ्तार

संवाददाता

रामगढ़ः जिले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डाक विभाग के ओवरसियर प्रभु मुंडा को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पर एक ग्रामीण डाक सेवक से रामगढ़ मुख्यालय में योगदान (ज्वाइनिंग) कराने के एवज में 30 हजार रुपये घूस मांगने का आरोप है।

सीबीआई सूत्रों के अनुसार, इस मामले में एक ग्रामीण डाक सेवक ने एजेंसी से लिखित शिकायत की थी। शिकायत में बताया गया था कि डाक ओवरसियर प्रभु मुंडा उससे रामगढ़ मुख्यालय में योगदान कराने के लिए लगातार 30 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर रहा है। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने प्रारंभिक जांच की, जिसमें आरोप सही पाए गए।

जांच के दौरान बातचीत में यह बात सामने आई कि प्रभु मुंडा ने 30 हजार रुपये में से 15 हजार रुपये पहले और शेष 15 हजार रुपये बाद में लेने पर सहमति जताई थी। इसके बाद सीबीआई ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जाल बिछाने की योजना बनाई। आठ जनवरी को सीबीआई की टीम ने सुनियोजित तरीके से जाल बिछाया। जैसे ही शिकायतकर्ता ने प्रभु मुंडा को तयशुदा स्थान पर 15 हजार रुपये घूस के रूप में दिए, सीबीआई की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। आरोपी के पास से रिश्वत की रकम भी बरामद कर ली गई।

गिरफ्तारी के बाद सीबीआई अधिकारियों का दल प्रभु मुंडा को रांची ले आया, जहां उससे गहन पूछताछ की जा रही है। सीबीआई यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस मामले में कोई और अधिकारी या कर्मचारी भी शामिल था या नहीं, और क्या इससे पहले भी प्रभु मुंडा इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त रहा है।

शीतलहर को देखते हुए स्कूलों की छुट्टियां बढ़ाने की मांग

संवाददाता

मुरहू : प्रखंड में लगातार बढ़ रही ठंड और शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए उप प्रमुख अरुण कुमार साबू ने जिला उपायुक्त से निजी एवं सरकारी विद्यालयों की छुट्टियां बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान मौसम बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन गया है।

श्री साबू ने बताया कि जिले के कई बच्चे दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिदिन स्कूल आने-जाने को मजबूर हैं। अत्यधिक ठंड, शीतलहर और घने कुहासे के कारण बच्चों को विद्यालय पहुँचने में भारी परेशानी हो रही है। कई स्थानों पर कुहासे की वजह से बच्चे समय पर स्कूल नहीं पहुँच पा रहे हैं, वहीं धुंध के कारण स्कूल बसों का संचालन भी जोखिम भरा हो गया है।

उन्होंने आगे कहा कि इन परिस्थितियों में अभिभावक अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और भय के माहौल में उन्हें स्कूल भेजने को विवश हैं। ऐसे में बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विद्यालयों की छुट्टियाँ बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है।

इसके साथ ही उप प्रमुख ने जिला प्रशासन से शीतलहर से बचाव के लिए सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की पर्याप्त व्यवस्था करने की भी माँग की है, ताकि आम जनता को ठंड से राहत मिल सके।

पुलिस ने 24 एकड़ अवैध अफीम की खेती को किया नष्ट

संवाददाता

चतरा : पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल के निर्देश पर गुरुवार को जिले में अवैध अफीम की खेती के उन्मूलन हेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के क्रम में लावालॉन्ग थाना अंतर्गत ग्राम चानी में करीब 20 एकड़ तथा कुंदा थाना अंतर्गत ग्राम-बांटा में करीब 4 एकड़, कुल करीब 24 एकड़ वन भूमि में की जा रही अवैध अफीम की खेती को शुरूआती अवस्था में ही नष्ट किया गया।अवैध खेती में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है तथा उनके विरुद्ध

आवश्यक विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है।चतरा पुलिस ने आमलोगों से अपील करती है कि अवैध अफीम की खेती न करें तथा किसी भी व्यक्ति को ऐसी गैर-कानूनी गतिविधि करने से रोकने में चतरा पुलिस का सहयोग करें।

मैथिली सम्मान दिवस पर परिचर्चा आयोजित

रांची : झारखंड मैथिली मंच, रांची के तत्वावधान में मैथिली सम्मान दिवस पर गुरुवार को ह्यभाषा के संरक्षण, संवर्धन व भाषायी विकास पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें मैथिली को समृद्ध बनाने के लिए समाज में साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ाने पर बल दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि साहित्यिक रचनाओं से ही भाषा और सुदृढ़ होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता नंद किशोर महतो ने की। महासचिव जयंत कुमार झा ने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया।

सवारी ऑटो पलटने से एक दर्जन बुजुर्ग महिलाएं घायल, एक का पैर टूटा

संवाददाता

तोरपा : थाना क्षेत्र के चांद टोगरी के पास गुरुवार को दोपहर करीब 2 बजे एक सवारी ऑटो के पलट जाने से उसमें सवार करीब एक दर्जन बुजुर्ग महिलाएं घायल हो गईं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही तोरपा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और सभी घायलों को 108 एंबुलेंस व पुलिस जीप की मदद से उपचार के लिए रेफरल अस्पताल तोरपा भेजा गया। अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा घायलों का इलाज किया जा रहा है।

इस दुर्घटना में ऑटो में सवार फूलों देवी का दाहिना पैर टूट गया है। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल खूंटी रेफर कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सभी बुजुर्ग महिलाएं उकरीमारी पंचायत सचिवालय से सरकार की ओर से बढ़ती ठंड से बचाव के लिए वितरित किए गए कंबल लेकर सवारी ऑटो से अपने गांव इचा लौट रही थीं। इसी दौरान रास्ते में चांद टोगरी के पास ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। पुलिस घटना के कारणों की जांच में जुटी है।

टंडवा पुलिस ने आभूषण चोर गिरोह का किया उद्भेदन

ढाई लाख रु और आभूषण चोरी में शामिल तीन चोर गिरफ्तार

चतराः जिले के कोयलांचल टंडवा थाना क्षेत्र के चट्टी गाड़ीलौंग गांव में बीते दो जनवरी को दिनेश यादव के घर पर हुए चोरी कांड का पुलिस ने उद्भेदन कर दिया है। टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में गठित टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल तीन शातिर चोरों को धर दबोचा है।साथ ही घर से चोरी हुए चोरी के आभूषण और नगदी भी जप्त किया है। सभी चोरों की गिरफ्तारी गाड़ीलौंग गांव के ही अलग-अलग ईलाके से हुई है।समाहरणालय स्थित एसपी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि गाड़ीलौंग निवासी दिनेश यादव के द्वारा विगत दो जनवरी को टंडवा थाना में अज्ञात चोरों के विरुद्ध घर से जेवरात एवं नगदी चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद टंडवा एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन कर चोरी कांड के खुलासे का निर्देश दिया गया था। इसके बाद गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी की घटना को अंजाम देने वाले गांव के ही तीन चोरों सैनिक कुमार यादव, धीरज कुमार भुइयाँ और कुणाल कुमार को गिरफ्तार किया है। साथ ही गिरफ्तार चोरों से पूछताछ और उनके बताएं स्थान से घर से चोरी हुआ चांदी का दो कंगन और चांदी का लॉकेट लगा सीकड़ी के अलावे चोरी का 85 हजार 500 रुपया नगद भी जप्त किया गया है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार चोरों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है, जिसके आधार पर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। छापामारी टीम में एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार,थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक अनिल उरांव के अलावे एसआई अमित कुमार व सुनील कुमार सिंह समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

जमीन विवाद में दो पक्षों में खूनी संघर्ष, सात घायल

संवाददाता

चतरा : सदर थाना क्षेत्र के बीते रात जितनी मोड़ गांव में बुधवार को जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। इसमें दोनों पक्षों द्वारा लाठियों, गंडासा, कुल्हाड़ी आदि धारदार हथियारों से किए गए ताबड़तोड़ हमले में दोनों पक्षों से लगभग एक दर्जन महिला-पुरूष

घायल हो गए।घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसमे दो लोगो की नाजुक स्थिति देखते हुए घायलों के रेफर किया गया है।चिकित्सक दयानंद सरस्वती ने बताया कि जितनी मोड़ निवासी रेखा देवी (32 वर्ष) और बसंती देवी उम्र (35 वर्ष) को गंभीर स्थिति देखते हुए उसे हजारीबाग रेफर किया गया है। वहीं सोनाली देवी, उमा देवी, रॉकी कुमार,रामबृक्ष राम, कुंदन कुमार, मीरा देवी, श्रवण पासवान का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बोरसी जलाकर सोना पड़ा महंगा, महिला की मौत, पति गंभीर

संवाददाता

चतरा : ठंड से बचने के लिए बोरसी जलाकर बंद कमरे में सोना एक परिवार के लिए जानलेवा साबित हुआ। सदर प्रखंड के कोलहाडीह निवासी विकास कुमार (25 वर्ष) और उनकी पत्नी सपना देवी (22 वर्ष) मंगलवार की रात खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चले गए। ठंड अधिक होने के कारण दोनों अपने साथ बोरसी भी कमरे में ले गए और दरवाजा बंद कर सो गए। गुरुवार सुबह काफी देर तक जब दोनों बाहर नहीं निकले तो परिजनों को चिंता हुई। आवाज देने पर अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने वेंटिलेटर के रास्ते मोबाइल फोन डालकर अंदर झांककर देखा तो कमरे में घना धुआं भरा हुआ था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए परिजनों ने तत्काल कमरे का दरवाजा तोड़ा और दोनों को बाहर निकाला।इसके बाद आनन-फानन में विकास कुमार और सपना देवी को सदर अस्पताल चतरा लाया गया। अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने सपना देवी को मृत घोषित कर दिया। वहीं विकास कुमार की हालत बेहद गंभीर थी, उनके शरीर में ऑक्सीजन की भारी कमी पाई गई। चिकित्सकों ने तत्काल इलाज शुरू किया, जिसके बाद उनकी स्थिति में सुधार हुआ

और फिलहाल वह खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं।इस घटना के समय दंपती के साथ उनका एक छोटा बच्चा भी कमरे में मौजूद था। सौभाग्य से बच्चे की हालत सामान्य है और उसे कोई गंभीर नुकसान नहीं पहुंचा।सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. उत्तम कुमार ने बताया कि सपना देवी अस्पताल पहुंचने से पहले ही मृत्यु अवस्था में थीं। वहीं विकास कुमार के शरीर में ऑक्सीजन का स्तर बेहद कम था। प्रारंभिक तौर पर यह आशंका है कि बंद कमरे में बोरसी जलने से ऑक्सीजन की कमी और धुएं के कारण यह हादसा हुआ। महिला की मृत्यु के सटीक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।इस घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। प्रशासन और चिकित्सकों ने लोगों से अपील की है कि ठंड के मौसम में बंद कमरों में बोरसी या अंगीठी जलाकर न सोएं, क्योंकि यह जानलेवा साबित हो सकता है।

समाचार सार

अंचलाधिकारी शिवशंकर पांडे के आने से तेजी से हो रहा जमीन से जुड़े मामलों का निष्पादन

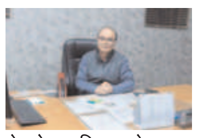

रांची: शहर अंचल अधिकारी शिवशंकर पांडे के आने से बहुत तेजी से कार्य का निष्पादन किया जा रहा है। श्री पांडे ने बताया कि जमीन से जुड़े मामलों का निष्पादन करना अंचल कार्यालय की एक सतत प्रक्रिया है। प्रतिदिन जमीन से जुड़े दर्जनों मामलों का निष्पादन किया जा रहा है और दाखिल खारिज के मामले को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जा रहा है। अंचल में आए कई लोगों ने बताया कि परिवारिक सूची, भूमि संबंधी आवेदन, दाखिल-खारिज, लगान भुगतान और अन्य राजस्व कार्य बिना देरी या बाधा के हो रहे हैं। अब बार बार चक्कर लगाना नहीं पड़ता है। एच रशीद आजाद ने कहा कि शहर अंचल अधिकारी शिवशंकर पांडे कि कार्यशैली सराहनीय ही नहीं बल्कि अनुकरणीय भी है। पारिवारिक सूची प्रमाण पत्र इतना जल्दी बन जाएगा ये हम नहीं सोचे थे। लेकिन सीओ शिवशंकर पांडे जी के कारण दो से तीन में बन गया। हम उनका धन्यवाद करते हैं। जिनका काम हो गया वैसे दर्जनों लोगों ने सीओ शिवशंकर पांडे को आशिर्वाद और दुआएं देते हुए ऑफिस से निकले।

शहीद शेख भिखारी व टिकैत उमराव का शहादत दिवस मना

रांची: अमर शहीद शेख भिखारी समारोह समिति ने पुंदाग में शहीद शेख भिखारी व टिकैत उमराव दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया । मुख्य अतिथि डॉक्टर इरफान अंसारी ,मंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ,विशिष्ट अतिथि पूर्व डिप्टी मेयर अजय नाथ शहदेव अध्यक्ष जेएससीए, और विशिष्ट अतिथि तनवीर खान उपाध्यक्ष झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी और विशिष्ट अतिथि मुजीब अली निर्देशक इंडियन पब्लिक स्कूल चंदवे, मुख्य संरक्षक कुर्बान खान अध्यक्ष मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन रांची जिला, द्वीप प्रज्जवलित राजेश कच्छप, विधायक खिजरी विधायक ने किया और अतिथि शहीद शेख भिखारी की परपोती शेख इम्तेशम अली ,शहीद शेख भिखारी टिकैत उमराव श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद रात 10बजे से कव्वाली कार्यक्रम शुरू हुआ। बनारस के मशहूर कव्वाल ताहिर चिश्ती और रौनक जहां ने कवाली पेश किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिंदे मुंडा ने किया। समारोह स्थल पर मेला और बच्चों के झूले लगाए गए ।

इस समारोह में बिंदे मुंडा ,निजामुद्दीन मस्तान बाबा, कुदूस अंसारी, अफरोज अंसारी, रोशन अंसारी,मुस्तफा अंसारी,वसीम भंडारी,मोबिन अंसारी, सरताज अंसारी, तौसीफ खान ,खुर्शीद अंसारी,अरशद अंसारी ,जाबिर अंसारी ,एजाज अंसारी, सायुब अंसारी और समसुल अंसारी अन्य उपस्थित थे।

सोमा मुंडा की हत्या व पतराहातु गोली कांड की हो न्यायिक जांच: सुफल महतो

मुरी: आदिवासी नेता सोमा मुंडा की हत्या की न्यायिक जांच की मांग झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सुफल महतो, खूंटी जिला सचिव प्रदीप गुड़िया, खूंटी जिला किसान सभा अध्यक्ष राखोहरी चौधरी ने सोमा मुंडा की हत्या की कड़ी निन्दा करते हुए न्यायिक जांच की मांग की है। झारखंड राज्य किसान सभा ने हत्या के खिलाफ शान्ति पूर्ण खूंटी बन्द को सफल बताया वही पतराहातु में युवक को गोली मारने वाले को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की है।

बांसारूली पंचायत में कबंल वितरण

मुरी: बांसारूली पंचायत भवन के पास आज कंबल वितरण किया गया। पंचायत सचिव सुनीता तिर्की और ग्राम प्रधान की उपस्थिति में पंचायत के मुखिया लालू राम उरांव ने अपने हाथों से जरूरत मंद ग्रामीणों को कंबल दिया। उन्होंने कहा कि शीत लहरी के कारण क्षेत्र में काफी ठंड है। स्कूलों में भी छुट्टी है। बुजुर्ग और वृद्ध व्यक्ति को ढंड में कंबल सबसे ज्यादा जरूरी है। ज्यादातर 60 के उपर उम्र करीब 52 ग्रामीणों को वितरण किया गया। जिसमें गिरी देवी, बादल देवी, नुनी बाला देवी, गुनो मांझी, महेन्द्र साहु व अन्य को दिया गया।

झारखंड में बर्फ जमाने वाली सर्दी शीतलहर से कांप रहे लोग

रांची: पश्चिमी विक्षोभ के कारण राज्य में ठंड का प्रकोप जारी है। शुक्रवार को झारखंड के नौ जिलों में शीतलहरी चलने की संभावना व्यक्त की गयी है। इनमें गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, रामगढ़ और बोकारो जिले शामिल हैं। जबकि राज्य के सभी जिलों में सुबह के समय कोहरा, धुंध और कनकनी रहेगी। दिन में मौसम शुष्क रहेगा और आकाश में आंशिक बादल छाये रहेंगे। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार कई जिलों में शुक्रवार और शनिवार से न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। 11 जनवरी से मौसम साफ रहने की संभावना है। गुरुवार को मेदिनीनगर में दृश्यता 300 मीटर और देवघर में 500 मीटर रही। कोहरे के कारण विमान और रेल सेवाएं प्रभावित रहीं। मैक्लुस्कीगंज का पारा माइनस 1.5 डिग्री सेल्सियस: मैक्लुस्कीगंज का पारा गुरुवार को माइनस 1.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया ।

धुर्वा से लापता अंश और अंशिका का सात दिन बाद भी नहीं मिला कोई सुराग

4 आईपीएस और 8 डीएसपी तलाश में जुटे

संवाददाता

रांची: धुर्वा थाना क्षेत्र के मौसीबाड़ी खटाल इलाके से दो जनवरी को दोपहर 2.30 बजे से लापता भाई और बहन अंश और अंशिका का 7 दिन बाद भी कोई सुराग नहीं मिला है। इस केस में चार आईपीएस और आठ डीएसपी सर्च ऑपरेशन चला रहे है। परिजनों का हाल देखकर दिल दहल जा रहा है। इस मामले में पुलिस ने 51 हजार रुपये का इनाम रखा है। पुलिस को इस मामले की जानकरी दो जनवरी को दी गयी थी, लेकिन प्राथमिकी तीन जनवरी को दर्ज हुई। इस मामले में धुर्वा थाना प्रभारी बिमल किंडो कहा कहना है कि पहले दिन सनहा दर्ज हुआ था। बच्चे के 24 घंटे में नहीं मिलने पर अगले दिन सनहा को प्राथमिकी में बदला गया। थाना प्रभारी के अनुसार, यह नियमानुकूल है।

दोनों बच्चे के गायब होने के बाद मां बेसुध हो गई है। रो-रो कर मां नीतू का बुरा हाल हो गया है। रोते हुए कहती है कि मेरे अंश और अंशिका को घर वापस ले आओ। छह साल पहले मेरी शादी पटना के मनेर थाना क्षेत्र के रहने वाले सुनील कुमार से हुई थी। एक साल बाद अंश पैदा हुआ। उसके एक साल बाद ही अंशिका का जन्म हुआ है। इन दोनों से छोटा दो साल का एक और बेटा है। अंश बहुत तेज है। अंश और अंशिका के माता पिता छह साल पहले पटना के मनेर से रांची आये थे। रांची आने के चार महीने पहले पति ने मौसीबाड़ी के आंगनबाड़ी में अंश और अंशिका का नाम लिखाया था। शुरू के डेढ़ माह बच्चों को लेकर उसके दादा आंगनबाड़ी पहुंचाने जाते थे। बाद में अंश खुद बहन को लेकर आंगनबाड़ी आने-जाने लगा। अंश पहले भी दुकान जाता था, दो जनवरी को पहली बार अंशिका भाई के साथ बिस्कुट खरीदने गयी थी। अंश मुहल्ला और शालीमार बाजार वगैरह से खुद घूमकर आ जाता था, लेकिन, दो जनवरी को दोपहर 2.30 बजे अंश और अंशिका को लेकर निकला और लौटकर नहीं आया। पुलिस की आठ टीम अलग-अलग एंगल से लगातार जांच कर रही है, लेकिन गायब भाई-बहन का कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। रांची पुलिस की टेक्निकल टीम भी पूरी तरह से फेल हो चुकी है। रांची पुलिस के लिए अब मौली जो डॉग स्क्वॉयड का सदस्य है ही एकमात्र सहारा है। रांची पुलिस की टीम गायब नाबालिग भाई-बहन का कपड़ा सुंघाकर सुराग ढूंढ रही है। मौली ने पुलिस को क्लू भी दिया है। बच्चे का कपड़ा सुंघाने के बाद मौली बार-बार उस दुकान के बगल में स्थित घर के पार्किंग स्थल पर खड़ी ओमनी वैन जेएएच01 सीटी 7349 तक पहुंच रहा है, जहां से बच्ची टॉफी लेने गई थी। मौली उस पैन की सीट पर बैठ जा रही है जिसके बाद पुलिस को पूरी आशंका है कि अगवा भाई-बहन के किसी दूसरे जगह तक पहुंचाने में इसी गाड़ी का इस्तेमाल किया गया है। फिलहाल वैन मालिक रितेश कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हालांकि नाबालिग भाई-बहन के अपहरण में अपनी संलिप्तता से साफ इंकार कर रहा है। रितेश अपनी पत्नी चंदा देवी के साथ दुकान चलाता है। रितेश के अलावा उसकी मां शांति देवी और पत्नी चंदा देवी को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। तीनों संदिग्धों को धुर्वा थाने में रख गया है। नाबालिग भाई-बहन की तलाश में रांची लेकर उसके पैतृक गांव पटना के मनेर तक पुलिस खाक छान चुकी है, लेकिन अभी तक कोई खास सुराग हाथ नहीं लगा है। पुलिस के बड़े अफसरों ने मोर्चा संभाला है। राज्य की डीजीपी तदाशा मिश्रा ने कहा कि वो धुर्वा से लापता दोनों बच्चों के मामले को खुद पर्सनली देख रही है। धुर्वा से लेकर कर्रा और गोविंदपुर तक जाने वाले रास्ते में लगे सीसीटीवी फुटेज चेक किया गया है। प्रत्येक वाहन को देखा गया है। पड़ोसी राज्यों में भी टीम भेजकर बच्चों की तलाश की गया है। पुलिस पूरी गंभीरता से बच्चों की तलाश में जुटी हुई है।

पुण्यतिथि पर विशेष : जस्टिस लाल पिंगला नाथ शाहदेव न्यायविद् और झारखंड आंदोलन के नायक

मेट्रो रेज

रांची: 10 जनवरी को जस्टिस लाल पिंगला नाथ शाहदेव की पुण्यतिथि है। वे एक प्रसिद्ध भारतीय न्यायाधीश, समाजसेवी और झारखंड अलग राज्य आंदोलन के अग्रणी नेता रहे हैं। उनका योगदान न्यायपालिका से बढ़कर सामाजिक और राजनैतिक परिवर्तन की दिशा में रहा, जिससे आज झारखंड एक अलग राज्य के रूप में स्थापित हुआ।

जीवन परिचय

- पूरा नाम: लाल पिंगला नाथ शाहदेव
- जन्म: 3 जनवरी 1930, कामता, लातेहार जिला, झारखंड)
- देहांत: 10 जनवरी 2012, रांची, झारखंड
- पेशा: उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता

कानून और न्याय

जस्टिस शाहदेव अपने समय के उन विशिष्ट न्यायाधीशों में से एक थे जिन्होंने उच्च न्यायालय तक पहुँच बनाई और बाद में समाज के लिए न्यायिक ज्ञान तथा नैतिकता से आगे काम किया। उनका न्यायिक करियर आदिवासी समाजों, ग्रामीण समुदायों तथा स्थानीय लोगों के न्याय की दिशा में प्रेरणादायक रहा।

पुण्यतिथि और श्रद्धांजलि

हर वर्ष 10 जनवरी को उनके अनुयायी, राजनेता, सामाजिक कार्यकर्ता और आम जनता उन्हें श्रद्धांजलि देती है। विभिन्न कार्यक्रमों, पुष्पांजलि सभा और सामाजिक समारोहों के माध्यम से उनके योगदान को याद किया जाता है।

झारखंड सहित अनेक स्थानों पर लोग इस दिन उनके आदर्शों, न्यायप्रियता और समाज के विकास के लिए उनके समर्पण को याद कर आगे बढ़ने का संकल्प लेते हैं।

जस्टिस स्वर्गीय लाल पिंगला नाथ शाहदेव सिर्फ एक न्यायाधीश ही नहीं थे बल्कि वे एक नेता, शिक्षक, मार्गदर्शक और समाज परिवर्तनकर्ता थे। उनका जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा है कि कैसे सत्य, न्याय और सेवा के मार्ग पर चलकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

झारखंड राज्य आंदोलन में योगदान

सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने झारखंड को अलग राज्य बनाने का आंदोलन संवैधानिक तथा राजनीतिक स्तर पर आगे बढ़ाया। 1998- 99 के दौरान उन्होंने सर्वदलीय अलग राज्य निर्माण समिति का नेतृत्व किया और आंदोलन के दौरान जनता को संगठित किया। उनकी अगुवाई में 16 विभिन्न राजनीतिक दलों ने एक मंच पर मिलकर एक अलग राज्य के लिए आंदोलन किया। आंदोलन के दौरान उनकी गिरफ्तारी भी हुई जो यह दर्शाता है कि वे न्यायिक पद पर रहते हुए भी जनता के आंदोलन में पूरी तरह सक्रिय भूमिका निभाते थे। उन्होंने झारखंड आंदोलन को संवैधानिक रूप से मजबूती देने और केंद्र सरकार पर दबाव बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ऑटो चालक महासंघ की हटिया डीएसपी संग बैठक

डीएसपी ने की धुर्वा से लापता बच्चों को ढूढ़ने में सहयोग की अपील

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी एवं प्रदेश पदाधिकारी के साथ हटिया डीएसपी प्रमोद कुमार मिश्रा के साथ-साथ धुर्वा जगन्नाथपुर कांटा टोली मार्ग पर परिचालन करने वाले ऑटो चालक मालिकों के साथ आज बैठक हुई। बैठक में उपस्थित सभी ऑटो चालक मालिकों को हटिया डीएसपी प्रमोद कुमार मिश्रा ने जानकारी यूनियन के पदाधिकारी एवं उपस्थित ऑटो चालक मालिकों से कहा कि 2 जनवरी से मौसी बड़ी जगन्नाथपुर से दो बच्चा भाई-बहन लापता हो गये हैं जिनका नाम अंश कुमार 5 साल और अंशिका कुमारी 4 साल है । किन्ही ऑटो चालक मालिक को अगर किसी प्रकार की भी कोई भी सूचना या जानकारी मिलती है तो हमें बताने का प्रयास करें ताकि दोनों बच्चा की रिकवरी हो सके । साथ ही उन्होंने कहा कि इस रूट में परिचालन करने वाले ऑटो चालक मालिकों से निवेदन है कि किन्हीं भी ऑटो चालक मालिक को किसी भी प्रकार का शक या सूचना सही जानकारी है तो आप इस नंबर पर संपर्क कर गुप्त सूचना के माध्यम से दे सकते हैं। प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी का कांटेक्ट नंबर 79034 92078, प्रदेश सचिव तबरेज अहमद का कांटेक्ट नंबर 8 7 89 20 2132 प्रदेश कोषाध्यक्ष भोला सिंह 7079 294959, पर दे सकते है ।

रांची में 10 जनवरी तक सभी स्कूल बंद

रांची: मौसम विभाग झारखंड के अनुसार आज 13 जिलों में शीतलहर चलने का अनुमान है। आईएमडी की चेतावनी को देखते हुए रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने जिले में संचालित सभी कोटि के विद्यालयों में कक्षाएं बंद रखने का आदेश जारी किया गया है । डीसी की ओर से जारी आदेश के अनुसार रांची जिले के अंतर्गत संचालित सभी सरकारी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त, गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) और सभी निजी स्कूलों में केजी से लेकर 12वीं तक की कक्षाएं 09 जनवरी 2026 से 10 जनवरी 2026 तक बंद रहेंगी।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

लापता लड़की

अनुजा मिंज, उम्र–करीब 16 वर्ष, पिता–प्रफुल मिंज, सा0–केरिया महतो, थाना–टी0टांगर, जिला–सिमडेगा, राज्य–झारखण्ड, जो दिनांक–15.12.2025 को अपनी माँ को सिमडेगा में कुछ काम है, बोलकर निकली थी, परन्तु अभी तक अपने घर वापस नहीं लौटी है। लापता बालिका की बरामदगी अभी तक नहीं हो पायी है, जिसका विवरणी निम्नवत् है:–

हुलिया की विवरणी :–

लिंग	:– स्त्री।
उम्र	:– 16 वर्ष।
रंग	:– गोरा
उँचाई	:– 05 फीट।
भाषा	:– सादरी एवं हिन्दी ।
पहनावा	:– छिटदार एवं गुलाबी–सफेद रंग का फ्रक

अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त लापता लड़की के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष नं0 पर अविलंब सूचित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा	–	मोबाइल नं0–9431116444
पुलिस उपाधीक्षक, (मु0) सिमडेगा	–	मोबाइल नं0–9431706227
थाना प्रभारी, टी0टांगर	–	मोबाइल नं0–9431706232
पुलिस नियंत्रण कक्ष, सिमडेगा	–	मोबाइल नं0–9262998531
मानव तस्करी संबंधी टोल फ्री नं0	–	मोबाइल नं0–1800–3456–256

पुलिस अधीक्षक,
सिमडेगा

PR 370256 Simdega(25-26)#D

नगडी साइंस एकेडमी बोर्डिंग स्कूल व मां रामपरी बाल आश्रम का धूमधाम से मना वार्षिक महोत्सव

- इस अवसर पर 300 जरूरतमंदों के बीच किया गया कंबल वितरण

मेट्रो रेज

रांची: नगडी साइंस एकेडमी बोर्डिंग स्कूल व मां रामपरी बाल आश्रम का 28वां वार्षिक महोत्सव बड़े भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर भीषण शीतलहर और कड़ाके की ठंड को देखते हुए, जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें वृद्धों, दिव्यांगो, विधवा महिलाओं और अत्यंत गरीब परिवारों को कंबल दिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती व मां रामपरी की छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। उक्त कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि ओपन यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर त्रिवेणी नाथ साहू एवं विशिष्ट अतिथि राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ,नीरज शर्मा जिला परिषद सदस्य, पूनम देवी पंचायत समिति सदस्य व शीला देवी शामिल हुईं। कार्यक्रम का संचालन तथा स्वागत भाषण डॉक्टर बृजेश शर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन रजनीकांत सिंह ने किया। कार्यक्रम में कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को बैच लगाकर,शॉल ओढ़ाकर तथा मोमेंटो भेंटकर सम्मानित किया गया। प्रसाद के रूप में सभी उपस्थित जनों के लिए खिचड़ी की व्यवस्था की गई थी। स्वागत कार्यक्रम के उपरांत स्कूल के प्रधानाचार्य रजनीश कुमार ने विद्यालय के विकास कार्य के बारे में बताते हुए कहा कि साइंस एकेडमी बोर्डिंग स्कूल 28 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामीण बच्चों को नई दिशा दे रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ओपन यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर त्रिवेणी नाथ साहू ने कहा कि जिस उद्देश्य के लिए साइंस एकेडमी बोर्डिंग स्कूल की स्थापना हुई थी, वह आज साकार होते दिख रहा है। उन्होंने स्कूल के डायरेक्टर एवं संस्थापक डीएन सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिन्हें उगना होता है, वे पत्थर का सीना चिर कर उग जाते हैं। इस स्कूल से आने वाली नई पीढ़ी प्रेरणा ग्रहण करेगी।

विशिष्ट अतिथि नीरज शर्मा ने कहा सेवा कार्य करने के लिए धन से ज्यादा मन की आवश्यकता होती है, इस प्रांगण में स्कूल के साथ-साथ मां राम परी बाल आश्रम भी चलता है, जो अति सराहनीय हैं, शहर के प्रतिष्ठित व्यवसाय ने कहा कि डीएन सिंह का जीवन हम सबों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने कहा कि समाज के निर्माता परंपरा के वाहक पथ प्रदर्शक ऐसे शिक्षकों की महिमा को शब्दों से बयां नहीं किया जा सकता है, उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की सनातन परंपरा में सामाजिक कार्यों का विशेष महत्व है। कहा कि उन्होंने कहा कि जहां एक और झारखंड सरकार द्वारा शीतलहर को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है रांची में अधिकतम अधिकतम तापमान लगभग 19 से 20 डिग्री और न्यूनतम लगभग 4 से 5 डिग्री सेल्सियस है ऐसे में शीतलहर के कारण लोग ठीक होने को मजबूर हैं ऐसे में संस्था द्वारा कंबल वितरण राहत के रूप में कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित करना बहुत ही सराहनीय कार्य है । मैं अपनी ओर से संस्था को शुभकामना देता हूं कि संस्था और सफल और सबल हो, ताकि समाज हित, और राष्ट्रहित में जनकल्याणकारी कार्य करते रहे।

मौके पर डॉ शुभम कुमार, प्रमोद नाथ सिंह, तपेश्वर केसरी, बलिराम ओझा, सुभाष मिश्रा, शंकर ओझा, संतोष तिवारी, उमेश्वर ओझा, एस एन शर्मा, शिव शंकर शर्मा, वीरेंद्र सिंह, सुधीर तिवारी, विनय चौबे, प्रिंस ओझा, मनोज सिंह, पीके सर, संतु ओझा, आरती कुजूर, नेहा सिंह, लव कुश कुमार भाजपा नेत्री आरती कुजूर, नेहा सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

झारखण्ड शिक्षा परियोजना,राँची
मध्य विद्यालय बी०एम०पी०–1,डोरण्डा परिसर,राँची–834002
0651-2490065(Office), Fax-2490064
Email - jepranchi@gmail.com & dseranchi@gmail.com

झाँकी निर्माण से संबंधित अति अल्पकालीन निविदा सूचना

26 जनवरी 2026 गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा राजकीय समारोह हेतु झाँकी का निर्माण किया जाना है जिसका थीम **"ज्ञान की उड़ान: आधुनिक शिक्षा से बच्चों के सपनों को मिल रहे हैं पंख"** होगा। इस हेतु झाँकी निर्माताओं से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्तें निम्नवत है:–

1. निविदादाता को अपना निविदा दो अलग–अलग बिड तकनीकी एवं वित्तीय बिड में देना होगा। दोनों बिडों को फिर एक बड़े लिफाफे में देना होगा।
2. तकनीकी बिड में (1) पैन कार्ड (2) विगत तीन वर्षो का आयकर जमा करने संबंधी प्रमाण पत्र (3) BID SECURITY हेतु 15000/– रूपये (पन्द्रह हजार रूपये मात्र) का डिमांड ड्राफ्ट जो Jharkhand Eduction Project, Ranchi के नाम से देय होगा। (4) जी0एस0टी0 निबंधन एवं अद्यतन जमा करने संबंधी प्रमाण पत्र (5) झाँकी निर्माण से संबंधित तीन वर्ष का अनुभव प्रमाण पत्र (6) थीम के अनुसार झाँकी का डिजाईन संलग्न करना होगा। तकनीकी बिड में सफल निविदादाताओं का वित्तीय बिड खोला जायेगा।
3. निविदा की दर सभी कर सहित (Inclusive of all Taxes) होगा।
4. निविदा दिनांक 19.01.2026 के अप0 2.00 बजे तक झारखण्ड शिक्षा परियोजना, राँची, मध्य विद्यालय बी.एम.पी.–1 परिसर डोरण्डा, राँची में जमा होगा एवं उसी दिन अप0 3.00 बजे निविदादाताओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष निविदा खोला जायेगा।
5. थीम के आलोक में प्रस्तुत डिजाईन के आधार पर समिति के द्वारा निर्णय लिया जाएगा। समिति का निर्णय अंतिम एवं सभी को मान्य होगा।

ह0/–
जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, रांची

PR 370330 Human Resource Developement(25-26).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

वेनेजुएला पर हमला

पिछले लंबे समय से डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर रहे वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी हमले के बाद गिरफ्तार करना निस्संदेह, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है। एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेजुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। वैसे आरोप मादुरो पर लगे कि उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को खोखला किया, असहमतियों को कुचला और लाखों लोगों को निर्वासन के लिये मजबूर किया। उन पर चुनाव में धांधली और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप भी लगते रहे हैं। लेकिन वैश्विक कूटनीति के जानकार मानते हैं कि ट्रंप के इस दांव का लक्ष्य तानाशाही के पीड़ितों को न्याय दिलाने या इस देश की संप्रभुता की रक्षा के बजाय वेनेजुएला के समृद्ध तेल भंडारों पर नियंत्रण हासिल करना ज्यादा रहा है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका द्वारा सैन्य अभियान चलाकर देश से बाहर किसी शासनाध्यक्ष को गिरफ्तार करना तथा वहां की सत्ता को वाशिंगटन से संचालित करना निश्चय ही साम्राज्यवादी सोच का ही पर्याय है। निस्संदेह, इस अमेरिकी निरंकुशता के गहरे भू-राजनीतिक परिणाम सामने आएंगे। यहां तक कि मादुरो का विरोध करने वाले अमेरिका के सहयोगी देश भी, अब मुखर होकर चेतावनी देने लगे हैं। रूस और चीन इस अमेरिकी कार्रवाई को नियम-कानून आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये खतरा बता रहे हैं। वहीं वेनेजुएला के इस घटनाक्रम ने चीन को अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं पर अमेरिकी आलोचना को बेअसर करने का भरपूर मौका दे दिया है। जिससे ताइवान की चिंताएं बढ़ सकती हैं। अमेरिका के इस कृत्य ने इराक और अफगानिस्तान में हमले व सेना की तैनाती की यादें ताजा कर दी हैं। ऐसे युद्ध जो अमेरिकी आत्ममुग्धता और अति-आत्मविश्वास से शुरू हुए, लेकिन उनका समापन अपमानजनक विदाई से हुआ। लेकिन इन हमलों के बाद वे देश कभी सामान्य नहीं रह पाए। वहीं ट्रंप की यह दलील कि मादुरो को पकड़ने के लिये चलाए अभियान का खर्च वेनेजुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, उसके प्राकृतिक संसाधनों पर अमेरिकी नियंत्रण की मंशा को ही दशार्ता है। वहीं अमेरिका ने यह स्पष्ट नहीं किया कि सुशासन, सुरक्षा के लिये वेनेजुएला की जनता की आकांक्षाओं वाले किस नेता को सत्ता हस्तांतरण किया जाएगा। भारत भी उन देशों में शामिल है, जिन्होंने घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की है। जो सही मायनों में भविष्य की वैश्विक चिंताओं के अनुरूप ही है। बहरहाल, देर-सवेर ट्रंप को अहसास होगा कि एक निरंकुश शासक को हटाना आसान है, लेकिन उस देश में दीर्घकालिक शांति-स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये गंभीर प्रयासों की जरूरत होती है।

मेहनतकशों की बेकद्री

बाजार आने-जाने के झंझट से बचा लोगों के घरों में तुरत-फुरत जीवन उपयोगी सामान पहुंचाने वाले गिग-वर्कर्स की जटिल कार्यपरिस्थितियां और पसीने का मोल न मिलना, बेहद चिंता की बात है। अपना व परिवार का पोषण करने वाले ये युवा अकसर सरपट मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियां चढ़कर ऊंची मंजिलों में दरवाजों तक सामान पहुंचाते देखे जा सकते हैं। बेहद कम मेहनताने, कंपनी मालिकों के दबाव व ग्राहकों की उपेक्षा झेलते गिग वर्कर्स ने नये साल की पूर्व संध्या पर हड़ताल करके अपनी बदहाली को ही उजागर किया है। संवेदनशील कार्य परिस्थितियों और नौकरी की असुरक्षा के चलते गिग-वर्कर्स हड़ताल पर थे। हालांकि, नये साल पर काम के दबाव व पूरी तरह संगठित न होने के कारण इनकी हड़ताल का कुछ ही इलाकों में असर देखा गया। पूरे देश में सामान की आपूर्ति बाधित हुई हो, ऐसा भी कोई समाचार नहीं मिला है। लेकिन गिग-वर्कर्स की विषम कार्य-परिस्थितियों की ओर पूरे देश का ध्यान जरूर गया है। पिछले दिनों आप के राघव चड्ढा और राजद के मनोज कुमार झा जैसे सांसदों ने गिग वर्कर्स के शोषण का मुद्दा संसद में उठाया था। निस्संदेह, देश की गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन में अपनी क्षमता साबित की है। विडंबना है कि भारत युवाओं को देश का कहा जाता है, लेकिन हम उनकी आकांक्षाओं का रोजगार नहीं दे पा रहे हैं। दरअसल, गिग-वर्कर्स की प्रमुख मांग है कि उनके काम का बेहतर भुगतान हो और उनके लिये बेहतर कामकाजी परिस्थितियां बनायी जाएं। उनकी इस हड़ताल ने इन मुद्दों पर देश का ध्यान खींचा है। लेकिन देश के प्रमुख खाद्य वितरण करने वाली कंपनी ने 31 दिसंबर को इस हड़ताल के बावजूद ऑर्डर में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की। वहीं थके-हारे बाइकर्स अपनी अनगिनत शिकायतें व्यक्त करते रहे। दरअसल, विडंबना यह है कि खूब काम लेने के बावजूद गिग-वर्कर्स को पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी के दायरे से बाहर आजीविका कमाने वाले व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया जाता है। दरअसल, गिग-वर्कर्स को नई अर्थव्यवस्था में नियोक्ता एक कर्मचारी के रूप में नियुक्त करने के दायित्व से बचने का प्रयास करते हैं। लेकिन नियोक्ताओं की हायर व फायर की रणनीति के चलते, वे असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को बाध्य होते हैं। इसके बावजूद वे आज शहरी जीवन व्यवस्था के लिये अभिन्न अंग बन गए हैं। लोगों की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दौड़ते रहते हैं। वे सामान दस मिनट तक दरवाजे पर पहुंचाने के दबाव में हांफते-भागते, मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियों पर सामान चढ़ाते अकसर नजर आते हैं। आम तौर पर उपभोक्ताओं का व्यवहार भी अच्छा नहीं होता। देरी होने पर इन्हें झिड़का जाता है। सामान में नुक्स निकालकर इन्हें दौड़ाया जाता है। आज भारत में इनकी संख्या सवा करोड़ से अधिक है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक इन कामगारों की संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक हो सकती है। निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की अनदेखी नहीं की जा सकती। लेकिन फिलहाल स्थिति यह है कि मेहनताने में कटौती, जरा सी चूक पर आर्थिक दंड तथा समय से पहले पहुंचाने के दबाव से गिग-वर्कर्स त्रस्त हैं। मुश्किल परिस्थितियों में काम करते रहने के बावजूद ये कामगार हड़ताल में बड़ी संख्या में भाग नहीं ले पाये। दरअसल, प्लेटफॉर्म अकसर प्रोत्साहन और अतिरिक्त वेतन के जरिये श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन को दबा देते हैं। निश्चित रूप से गिग-वर्कर्स का लगातार 14 घंटे काम करने के बावजूद सात-आठ सौ रुपये कमाना और दुर्घटना बीमा से वंचित रखना, इस व्यवस्था की उन खामियों की ओर भी इशारा करता है, जिन्हें केवल फौरी लालच या प्रोत्साहन से ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में हालिया श्रम सुधारों का महत्व बढ़ जता है। जिसमें पहली बार, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को कानून के तरह औपचारिक रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर के टर्नओवर का एक से दो फीसदी सामाजिक सुरक्षा कोष में अनिवार्य योगदान और आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर को कानूनी मान्यता की दिशा में एक लंबे समय से प्रतीक्षित बदलाव का संकेत देते हैं। हालांकि, कार्यान्वयन ही यह निर्धारित करेगा कि ये सुधार परिवर्तनकारी साबित होते हैं या केवल प्रतीकात्मक रहते हैं।

'पर्याप्त' संख्या नहीं सोच है !

आम आदमी की जिंदगी में अकसर ऐसी परिस्थिति आती रहती है जब सामने कोई नए मॉडल का फोन या कार, शर्ट या बैग या फिर कुछ भी नया लिए सजा-धजा दिखता है। इसे देख हमें भी लगता है कि वह सब मेरे पास भी हो ।

गिरीश्वर मिश्र

हर कोई अपने लिए पर्याप्त संसाधन जुटाना चाहता है ताकि हर स्थिति का मुकाबला किया जा सके और इस बात की दौड़ लगी रहती है कि थोड़ा और हो जाता तो अच्छा होता। पर पर्याप्त की मरीचिका आगे-आगे भागती है और हम पीछा ही करते रहते हैं। आम आदमी की जिंदगी में अकसर ऐसी परिस्थिति आती रहती है जब सामने कोई नए मॉडल का फोन या कार, शर्ट या बैग या फिर कुछ भी नया लिए सजा-धजा दिखता है। इसे देख हमें भी लगता है कि वह सब मेरे पास भी हो ।एक बार मेरे सामने भी एक युवा एक नए मॉडल के फोन के साथ फोटो खींच रहा था। मेरे मन में भी हिलोर उठी और मुझे लगा कि मेरे पास भी यह फोन होना चाहिए । फिर मैंने अपनी इच्छा पर किसी तरह काबू पाया। मेरे पास दो साल बाद भी आज अपना पहले वाला ही फोन है और वह ठीक काम कर रहा है और मैं खुश भी हूं । अब एक दूसरी घटना लीजिए । पिछले साल मैंने एक आई पैड खरीदा । सोचा था इससे लिखने-पढ़ने का काम और अच्छी तरह और सुविधापूर्वक कर सकूँगा । पर आई पैड के आने के बाद मेरे काम धाम में कुछ ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। ज्यादातर समय वह आई पैड पड़ा ही रहा और मैं अपने पुराने लैपटाप से ही काम करता रहा। आई पैड को दो एक बार पोंछ-पाछ कर चार्ज जरूर किया था। ये महंगा था और अपने खर्चों में किसी तरह कतर-ब्योंत कर ही इसे खरीद पाया था। दरअसल नया फोन, नया सोफा, नया जूता या फिर कोई भी नई चीज लेने के बाद हफ्ते भर बीतते न बीतते वह चीज साधारण, बासी और पुरानी लगने लगती है। तब फिर हम उसे अपने उपयोग में नहीं लाते। ऐसा होने के बाद उसके लिए हमारी इच्छा की तीव्रता भी कम होने लगती है, वह ढलने लगती है । साथ ही बहुतेरी इच्छाओं के बीच से चुनने का अतिभार जैसा भी होने लगता है। हमारे सामने सवाल है कि इसे कैसे कम किया जाय या किफायती कैसे बना जाय ? हमारे मस्तिष्क की पुरस्कार प्रणाली को अधिक जीवंत और संतोषप्रद कैसे बनाया जाय ? ह्लथोड़ा औरह्व की प्रवृत्ति बताती है कि हमारा मस्तिष्क नए-नए संसाधनों को इकट्ठा करने में जुटा रहता है। आदिम मनुष्य के जीवन में भोजन इकट्ठा करने और दीर्घ जीवन के लिए यह युक्ति कारगर थी । आज के दौर में पुरस्कार की जगह बदलाव और अप्रत्याशित फायदे हमें अधिक आकर्षित करते हैं। इस व्यवस्था ने हमारे पूर्वजों को इस बात के लिए प्रेरित किया था कि वे ह्वबस थोड़ा सा औरह्ल पाने की जुगत में ही उलझे रहें । तब यह निश्चित ही उपयोगी था क्योंकि इससे वे अस्पष्ट और अनिश्चय की स्थिति में भी जीवन यापन कर सके थे । सुरक्षा की दृष्टि से यह जरूरी था। आज की बात कुछ और है। हमारी दुनिया बहुत बदल चुकी है। अब वैसी असुरक्षा और अनिश्चय की स्थिति नहीं रही। ह्वथोड़ा औरह्ल अर्जित करने के अवसर अब हम पुराने माडल को अपग्रेड करने और अन्य चीजों के विकल्पों में बदल चुके हैं। इस बदली परिस्थिति में हम लोग जो कुछ हमारे पास पहले से है उससे जो ज्यादा है या बढ़-चढ़ कर है उसे चाहने लगते हैं। यह नियति का खेल है कि एक समय जिस बात ने जीवन को खुशहाल बनाया था वह अब बेकार की फि जूलखर्ची और भयानक असंतोष के दुष्चक्र को जन्म दे रही है। यह तरीका उस दौर के लिए था जब परिवेश में असुरक्षा थी और उपलब्ध साधन सीमित थे। आज के अतिशय और अतिरेक के दौर के लिए वह मौजू नहीं रहा । आज सामाजिक मीडिया का भी तेजी से उभार है। हम सब लगातार किसी को अपने से अलग कुछ और करते या खरीदते देखते हैं। इस तरह का अनुभव करते हुए हम खुद को बड़ा मजबूर महसूस करने लगते हैं। इस चीज को पाने से होता है जो हमारे पास मौजूद चीज से बाहर होता है । ऐसे में कुछ और या थोड़ा और कभी प्राप्त ही नहीं हो सकता । इच्छाओं के अनुकूलन की प्रवृत्ति के चलते आदमी जल्दी ही एक स्थिर खुशी के स्तर पर वापस लौट आता है। ह्वथोड़ा औरह्ल कभी भी पर्याप्त इसलिए नहीं लगता कि हम इच्छाओं के अनुकूलन के शिकार होते रहते हैं। यानी हमारी प्रवृत्ति है कि हम बहुत जल्द एक अपेक्षाकृत स्थायी सुख के सामान्य स्तर पर आ टिकते हैं। जीवन में बड़ी सकारात्मक या ऋणात्मक घटना के बाद जैसे लाटरी या अशक्तता का खुशी या दुख पर सिर्फ.क्षणिक प्रभाव होता है। हम फिर वापस अपने सामान्य स्तर पर वापस आ जाते हैं। यह अनुकूलन हमारी प्रतिरोध क्षमता को तो सुदृढ़ करता है पर नई उपलब्धि के रोमांच का आकर्षण तेजी से घटने लगता है। प्रत्याशा बढ़ी तो यह ऊँचा होता है और धीरे-धीरे सामान्य अवस्था पर लौट आता है। हमारा ध्यान नई खरीद की ओर आकर्षित होने लगता है और अधूरी इच्छाओं को पूरा करने का क्रम चल पड़ता है। फिर एक नया चक्र शुरू हो जाता है। आज की उपभोक्ता संस्कृति में अपग्रेड, नए विकल्प, और अनुकूलन, से उपजा असंतोष लगातार बना रहता है। मजेदार बात यह है कि अगली चीज का अनुभव होने पर या अपग्रेड करने के लिए निवेश करने का लाभ लगातार घटता जाता है। आदमी सोचता है कि अगर फलाँ चीज होती तो खुशी मिलती । नई खरीद से उत्तेजना होती है पर वह जल्दी ही मुरझाने लगती है । अपग्रेड करते ही आपको लगता है कि नया संस्करण या नया मॉडल चाहिए। ऐसा लगने में ज्यादा देर नहीं लगती । वस्तुओं की खरीदी सूची कुछ और है जो संतोष के लिए जरूरी चीजों की सूची कुछ और। संतोष देने की जगह नई खरीददारी अगली चीज के चाहने पर जोर देती है। चुनाव का यह अजीब विरोधाभास है कि विकल्प बढ़ने के क्रम में पहले तो अच्छा लगता है पर एक मुकाम यह भी आता है जब अधिक विकल्प होना हमें कम संतुष्ट करने लगता है। हम सोचते हैं कि हमें विकल्प चाहिए और लगता है कि अधिक से अधिक चीजें पाने पर हम सुखी हो सकेंगे । पर वस्तुतः होता उल्टा है। कई अध्ययन बताते हैं कि ज्यादा संख्या में विकल्प का होना चुनने की थकान को बढ़ाता है। चुनाव का बहुत ज्यादा अवसर चुनने से मिलने वाली हमारी संतुष्टि की मात्रा को घटाता है । अत्यधिक विविधता हमको पंगु बनाती है न कि समृद्ध या शक्तिसंपन्न । न्यूनीकरण या किफायत करना जीने का दूसरा रास्ता है जिसमें अति को छोड़ कर हम चीजों को सरल करते हैं । तब कम सीमाएँ बनती हैं जो हमारी बौद्धिक, संज्ञानात्मक, सांवेगिक संसाधनों की रक्षा करती हैं। थोड़े विकल्प हमारी इच्छा-शक्ति को सुदृढ़ करते हैं और निर्णय की चुनौती को कम करते हैं। तब हम सिर्फ. सार्थक लक्ष्य पर ही अपना ध्यान केंद्रित करते हैं ।जब नवीनतम को पीछे छोड़ते हैं विकल्पों की बाढ़ कम करते हैं तो हम जो अपने पास है उस पर ध्यान देते हैं और समझदारी के साथ खर्च करते हैं। हमारी खुशी को वस्तुओं की प्राप्ति से कम जानबूझ कर थोड़े या कम को चुन निरन्तर भूख के कोलाहल को कम करने पर अधिक आनंद मिलता है । ऐसे में पुरस्कार लुप्त नहीं होता है। इसके बदले जो है उसका अनुभव या आस्वादन हमारे अनुकूलन को कम कर सकता है।

युवाओं को हिंदुत्व की शक्ति पहचानने की जरूरत

इन भारतीय अस्मितावादी मूल्यों पर सबसे पहला बड़ा प्रहार इस्लामी आक्रांताओं ने किया, तो दूसरा प्रहार अंग्रेजों ने किया। इन प्रहारों ने सनातन संस्कृति के उन सब मूल्यों पर प्रबल आघात किए जो वैदिककाल से लेकर वर्तमान तक न केवल वर्चस्व बनाए हुए हैं, बल्कि अपनी संस्कृति के मूल स्रोतों से आज भी आंदोलित हो रहे हैं।

प्रमोद भार्गव

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी यात्रा एक वैचारिक यात्रा है। मनुष्य की शारीरिक खुराक रोटी-पानी और हर हाथ को रोजगार के बाद जो सर्वाधिक जरूरी है, वह है मानसिक वैचारिक खुराक! इस खुराक में सब अस्मिताएं दर्ज हैं, जो किसी भी राष्ट्र के जीवंत रहने को प्रमाणित करती हैं। इसमें राष्ट्र की सीमाएं और उसमें आलोड़ित धर्म एवं संस्कृति के वे मूल्य अंतर्निहित रहते हैं, जिनमें भाषा, भेष-भूषा, खान-पान और रीति-रिवाज पारंपरिक रूप में गतिशील रहते हैं। इन भारतीय अस्मितावादी मूल्यों पर सबसे पहला बड़ा प्रहार इस्लामी आक्रांताओं ने किया, तो दूसरा प्रहार अंग्रेजों ने किया। इन प्रहारों ने सनातन संस्कृति के उन सब मूल्यों पर प्रबल आघात किए जो वैदिककाल से लेकर वर्तमान तक न केवल वर्चस्व बनाए हुए हैं, बल्कि अपनी संस्कृति के मूल स्रोतों से आज भी आंदोलित हो रहे हैं। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के यही अक्षुण्ण मूल्य भारत की अखंडता के आधार स्तंभ हैं।इस संदर्भ में विशिष्ट उपलब्धियां प्राप्त कर चुके युवाओं को भोपाल में संदेश देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि 'विश्व सत्य नहीं शक्ति की सुनता है। दुर्बल व्यक्ति सत्य भी बोले तो उसे कोई नहीं सुनेगा। ताकतवर की बात सही-गलत का विचार किए बिना सभी सुनते हैं। अतएव हमारे मत-पंथ संप्रदाय,भाषा और जाति भले ही अलग हों,लेकिन वह हिंदुत्व की पहचान ही है,जो हमें जोड़ती है। हमारी संस्कृति,धर्म और पूर्वज समान हैं।'वाकई यही समरस शक्ति हमें विश्व-शक्ति के रूप में स्थापित करने की ताकत रखती है। जैसे- जैसे हम इस गुरुत्वीय बल की एकरूपता में ढलते जा रहे हैं, वैश्विक स्तर पर हमारी शक्ति की स्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। सनातन इतिहास और बड़े पैमाने पर अतीत में हुए धर्मांतरण के परिप्रेक्ष्य में यह याद रखने की जरूरत है कि भारत में कोई भी अहिंदू नहीं है, क्योंकि सबके मूल में हिंदुत्व है। तथाकथित सांस्कृतिक मार्क्सवाद की अस्मिता के लिए यह बड़ा प्रतिकार है। यह एक ऐसा क्षितिज है, जो भारत विभाजन और मतांतरण की पड़ताल करता है। 16 अक्टूबर 1905 को बंगाल के विभाजन और 30 दिसंबर 1906 को ढाका में अखिल भारतीय मुस्लिम लीग का गठन हुआ। इसके बाद से ही दो राष्ट्रों के रूप में भारत विभाजन की सुगबुगाहट आरंभ हो गई थी। ज्यादातर कांग्रेस नेता इन सुगाबुगाहटों से या तो निश्चिंत थे या फिर नजरअंदाज कर रहे थे। किंतु दूरदर्शी स्वतंत्रता सेनानी डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने अपने कानों में इस अनुगूंज को अनुभव किया और भारत की तत्कालीन धार्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों के आकलन के उपरांत इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि विभाजन की संभावना को टालने के लिए हिंदू समाज को न केवल संगठित करने की जरूरत है, अपितु राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने की भी जरूरत है। हिंदुओं में परस्पर एकता का अभाव और जातीय अस्मिता को बनाए रखने वाली सुप्त पड़ी चेतना के कारण बड़े हिंदू समाज में आंतरिक विखंडन और आत्मगौरव का क्षरण निरंतर बढ़ रहा है। हिंदुओं की लाचार मनस्थिति और मुस्लिम लीग का इस्लाम के आधार पर बढ़ते विस्तार की पृश्ठभूमि में 27 सितंबर 1925 को विजयादशमी के दिन, मात्र 50 स्वयंसेवकों के साथ हेडगोवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की नींव रख दी। राष्ट्र और भारतीय समाज के निर्माण में लगे इस संघ की उम्र अब सौ वर्ष हो गई है। आज संघ अपने पुनीत उद्देश्य के साथ संपूर्ण समाज को संगठित बनाए रखने का मूल-मंत्र देते हुए भारत को एक सशक्त और परम वैभवशाली राष्ट्र बनाने की ओर अग्रसर है। इस मंत्र की अवधारणा के चरित्र में राष्ट्रीय संस्कारों के बीजारोपण के साथ समरसता और स्वदेशी के भावों को परिपक्व करना है। प्रत्येक मनुष्य के शरीर में एक अवचेतन मन होता है। यह हमारे दिमाग का वह हिस्सा है, जो हमारी चेतन जागरूकता के नीचे काम करता है। यह हमारे मस्तिष्क में दर्ज विचारों, भावनाओं और अंतक्रियाओं की पृष्ठभूमि में रहते हुए अंतर्चेतना को प्रभावित करता है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटने के बाद कांग्रेस नेता और मंत्री रहे गुलाम नबी आजाद ने कहा था कि "इस्लाम का उद्भव तो मात्र 1500 वर्ष पहले हुआ है, अतएव भारत में कोई भी बाहरी नहीं है। हम सभी मुसलमान इसी देश के वासी हैं। मूल रूप में वे हिंदू ही हैं। बाद में उनका मतांतरण हुआ। कश्मीर में सभी मुसलमान कश्मीरी पंडितों से धर्मांतरित हुए हैं। अतएव सभी का जन्म सनातन हिंदू धर्म में ही हुआ है।" आजाद ने यह बात डोडा के चिरल्ला गांव में 09 अगस्त 2023 को एक सभा में कही थी। बाद में यह वीडियो खूब वायरल हुआ था। फारुख अब्दुल्ला भी भगवान राम को सबके भगवान कहने के साथ अपने मूल में हिंदू होने को स्वीकार चुके हैं। सनातन संस्कृति की अवचेतन में आंदोलित हो रही जागृति की यह बात मजबूती से पाकिस्तान के प्रखर सिंधी राष्ट्रवादी नेता रहे जीएम सैयद ने बहुत तार्किक ढंग से उठाई थी। वे एक विद्वान लेखक थे। उन्होंने ही सिंधी पहचान के लिए वैचारिक आधार तैयार किया और सिंधुदेश आंदोलन की नींव रखी थी। वे 1937 में सिंध विधानसभा के सदस्य चुने गए और 1940 में शिक्षा मंत्री बने थे। इन्होंने ही 1946 में कट्टरवादी मुस्लिम लीग से अलग होकर 'प्रोग्रेसिव मुस्लिम लीग' की स्थापना की थी। 1970 के दशक में उन्होंने ही 'जय सिंध मुत्ताहिदा महाज' एक सिंधी राष्ट्रवादी दल बनाया जिसका लक्ष्य सिंध को पाकिस्तान से पृथक कर स्वतंत्र देश का निर्माण था। आज भी पाकिस्तानी सेना की दमनकारी नीतियों के विरोध में जय सिंध मुत्ताहिदा महाज और जय सिंध कौमी महाज जैसे संगठन स्वतंत्र सिंधुदेश की मांग का अलख जगाए हुए हैं। ऐसा ही संदेश नए साल 2026 के स्वागत में विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर बलोच नेता मेरे यार बलोच ने कहा, " भारत और बलूचिस्तान के सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संबंध पुराने समय से हैं। यहां स्थित हिंगलाज माता का मंदिर दोनों देशों की साझा धार्मिक-आध्यात्मिक विरासत है।"

अवचेतन में निहित इसी सांस्कृतिक जागरण के परिप्रेक्ष्य में जीएम सैयद ने कहा था, " मैं पाकिस्तानी तो मात्र 43 साल से हूं, जबकि मुसलमान 700 साल से हूं। परंतु सिंधी पांच हजार वर्ष से हूं।" यानी वैदिक काल से अवचेतन में बैठी अपनी संस्कृति के आत्मबोध की यह स्वीकारता, उसी ऋग्वैदिक भू-सांस्कृतिक वैचारिकता का उद्घोष है, जिसे आज संघ ह्यहिंदुत्वह्ण या सनातन हिंदुत्व कह रहा है। सांस्कृतिक पहचान का यह आत्मबोध प्रत्येक उस धर्मांतरित हिंदू के अवचेतन में अंगड़ाई ले रहा है, जो आक्रांताओं की तलवार की नोक पर लाचारी की अवस्था में अपने धर्म से विमुख हुए। कालांतर में जैसे-जैसे आत्मबोध के भाव जागृत होंगे, वैसे-वैसे घर वापसी में तेजी आएगी ? राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज अपनी शताब्दी यात्रा पर है। एक सदी की यह यात्रा केवल संगठन एवं अपने अनुषांगिक संगठनों का विस्तार या उन्हें कट्टर हिंदू बनाना भी नहीं है, बल्कि भारत में रहने वाले सभी जाति एवं धर्म समुदायों के बीच समावेशी सद्भाव विकसित करना है। यह यात्रा सामाजिक जीवन में रचनात्मक बदलाव के लिए राष्ट्रीय चेतना का पुनर्जागरण है। यही वह भाव है, जिसका उद्घोश जीएम सैयद ने किया था और अब गुलाम नबी आजाद तथा बलूच नेता मीर यार कर रहे हैं। इसी समावेशी भाव को पुरातत्वशास्त्री केके मोहम्मद ने समझते हुए इस्लामिक कट्टरता का परिचय दिए बिना अयोध्या के विवादित ढांचे के गर्भ में समाए अवशेष को आक्रांताओं द्वारा तोड़े गए राम मंदिर के साक्ष्य बताया। उनका मानना है , " हिंदू आस्था के स्रोत काशी की ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा की शाही ईदगाह हिंदुओं को सौंप देना चाहिए। क्योंकि इन स्थलों से मुस्लिमों की कोई भावना नहीं जुड़ी है। राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम इसी समावेशी भाव के अनुगामी थे। जिस राष्ट्र की मूल वैदिक संस्कृति की सांस्कृतिक अवधारणा में संपूर्ण मानव जाति के लिए समावेशी जीवन-दर्शन और कल्याण के भाव हैं, वह वैशिष्ट्य अन्य संस्कृतियों में कहीं नहीं है।" इसी परिप्रेक्ष्य में 'भारत एक हिंदू राष्ट्र है।'

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शनिदेव को करना है प्रसन्न, हनुमान जी के इन मंत्रों से मिलेगा लाभ

हिंदू धर्म में शनिवार का दिन हनुमान जी को समर्पित है। इस दिन शनिदेव और हनुमान जी की पूजा अर्चना की जाती है। अगर शनिवार को हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ किया जाता है, तो जातक को शनिदेव और हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है। वहीं हनुमान जी के शरणागत रहने वाले जातकों पर शनिदेव की कृपा बरसती है। धार्मिक शास्त्रों में भी इस बात का उल्लेख मिलता है कि न्याय के देवता शनिदेव ने हनुमान जी को यह वचन दिया था कि उनके भक्तों को शनिदेव कभी नुकसान नहीं पहुंचाएंगे।

ऐसे में जो भी जातक हनुमान जी की भक्ति करते हैं, उन पर शनिदेव की असीम कृपा बरसती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हनुमान जी के मंत्रों और रामाष्टक के बारे में बताने जा रहे हैं।

हनुमान जी मंत्र

अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहम
दनुजवनकृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यम् ।
सकलगुणनिधानं वानराणामधीशम्
रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि।।
ॐ ऐं ह्रीं हनुमते श्री रामदूताय नमः
ऊँ नमो हनुमते रुद्रावताराय विश्वरूपाय अमितविक्रमाय प्रकट-पराक्रमाय महाबलाय सूर्यकोटिसमप्रभाय रामदूताय स्वाहा।
ऊँ नमो हनुमते रुद्रावताराय रामसेवकाय रामभक्तितत्पराय रामहृदयाय लक्ष्मणशक्ति भेदनिवावरणाय लक्ष्मणरक्षकाय दुष्टनिबर्हणाय रामदूताय स्वाहा।
ऊँ नमो हनुमते रुद्रावताराय सर्वशत्रुसंहरणाय सर्वरोगहराय सर्ववशीकरणाय रामदूताय स्वाहा।
ॐ ह्रां ह्रीं रां रामाय नमः॥
राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे।
सहस्त्र नाम तत्तुन्यं राम नाम वरानने ।।
ॐ जानकीकांत तारक रां रामाय नमः॥
ॐ आपदामप हर्तारम दातारं सर्व सम्पदाम ,
लोकाभिरामं श्री रामं भूयो भूयो नामाम्यहम !
श्री रामाय रामभद्राय रामचन्द्राय वेधसे,
रघुनाथाय नाथाय सीताया पतये नमः !
ॐ दाशरथये विद्महे जानकी वल्लभाय धी महि तन्नो रामः प्रचोदयात ॥

रामाष्टक

सुग्रीवमित्रं परमं पवित्रं सीताकलत्रं नवमेघगात्रम ।
कारुण्यपात्रं शतपत्रनेत्रं श्रीरामचन्द्रं सततं नमामि ॥
संसारसारं निगमप्रचारं धर्मावतारं हतभूमिभारम ।
सदाविकारं सुखसिन्धुसारं श्रीरामचद्रं सततं नमामि ॥
लक्ष्मीविलासं जगतां निवासं लङ्काविनाशं भुवनप्रकाशम ।

टिप्स

डेली वॉक का कमाल

हम नए साल 2026 में प्रवेश कर चुके हैं। ऐसे में हमारा सबसे पहला 'न्यू ईयर रेजोल्यूशन' अपनी सेहत के लिए होना चाहिए। ऐसे में खुद को हेल्दी रखने के लिए आपको रोजाना कुछ कदम जरूर चलना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक रोजाना सिर्फ 10,000 कदम पैदल चलना आपकी हेल्थ के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। जब आप पैदल चलते हैं, तो आपका हार्ट बेहतर तरीके से ब्लड को पंप करता है, इससे धमनियों में लचीलापन बना रहता है और ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है। रोजाना पैदल चलने से हमारे गट हेल्थ यानी की पेट के माइक्रोबायोम पर पॉजिटिव प्रभाव पड़ता है। फिजिकल एक्टिविटी पेट में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाता है, यह न सिर्फ पाचन में सुधार करता है, बल्कि मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करते हैं। ऐसे में आप नए साल के मौके पर अपनी फिटनेस जर्नी को सिर्फ एक आरामदायक जूते और सुबह की ताजी हवा के साथ शुरू करने का संकल्प लें।

स्वस्थ होगा हार्ट हेल्थ

पैदल चलना दिल के लिए सबसे प्रभावी 'एरोबिक एक्सरसाइज' है। जब आप रोजाना नियमित रूप से चलते हैं, तो बॉडी में खराब कोलेस्ट्रॉल का लेवल गिरता है। साथ ही अच्छे कोलेस्ट्रॉल में वृद्धि होती है। जब आप पैदल चलते हैं, तो धमनियों में प्लाक जमने का प्रोसेस धीमा हो जाता है। इससे स्ट्रोक और हार्ट अटैक का जोखिम 30-40% तक कम हो सकता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

नशापान से लोग दूर रहे : अशोक

साहिबगंज : तीनपहाड़ क्षेत्र में लोगो को जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तहत बड़ा दुगार्पुर पंचायत के बास्को संथाली गांव और सुतियारपाड़ा पंचायत में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्रामीणों को बताया गया। कि लोग नशापान से दूर रहे नशा करने से परिवार में आपसी मदभेद हो रहा है झगड़ा हो रहा इस लिये नशा से दूर रहे इसके अलावे जिला विधिक सेवा के बारे के विस्तार से बताया गया।इसके अलावे पुलिस हेल्प लाइन नंबर 112 और एम्बुलेंस नंबर 108 की जानकारी भी दिया गया और कहा गया कि जरूरी पड़ने पर लोग इस नम्बर पर डायल कर सकते है।मौके पर अशोक कुमार,शंकर कुमार,आशीष कुमार सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

खेलो इंडिया ट्राइवल गेम्स राज्य स्तरीय ट्रायल के लिए जिले से 03 खिलाड़ी रांची रवाना

साहिबगंज : भारत सरकार युवा और खेल मंत्रालय द्वारा खेलो इंडिया ट्राइवल गेम्स के प्रथम संस्करण के आयोजन माह फरवरी 2026 को लेकर झारखंड खेल प्राधिकरण रांची द्वारा झारखंड राज्य की टीम की भागेदारी हेतु 09 जनवरी को रांची के विभिन्न स्टेडियमों में आयोजित ट्रायल में भाग लेने के लिए आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र,सिद्धो कान्हु स्टेडियम साहिबगंज के एमानुएल किस्कू,शामू मरांडी एवं संतोष मुर्मू विभिन्न स्पर्धा में भाग लेने के लिए रांची रवाना हुए।तीनों एथलीटों को जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष,खेल समन्वयक कौशल किशोर मरांडी,खेल प्रशिक्षक योगेश यादव समेत जिले वासियों ने शुभ कामना दी।

संदिग्ध अवस्था में मिला युवक का शव परिवार में शोक का माहौल

साहिबगंज/पतना : रांगा थाना क्षेत्र के झिकटिया में संदिग्ध अवस्था में लगभग 24 वर्षीय युवक का शव परिजनों ने बरामद किया।मिली जानकारी के अनुसार युवक का नाम सन्नी साहा पिता राजेश साहा बताया जा रहा है कि लगभग तीन महीने से युवक अपने ससुराल बांकुड़ा में था,बुधवार को अपने घर आया फिर रात्रि में परिवारिक अनबन हुई तभी रात्रि में घर से निकला और कहीं चला गया,घर नहीं लौटने पर पिरजन रात्रि में इधर उधर ढूंढने लगे कुछ पता नहीं चला,सुबह ग्रामीणों द्वारा जानकारी मिली कि संथाली बस्ती के पीछे खेत में पड़ा है परिजन मौके पर पहुँचा तो युवक संदिग्ध अवस्था में पड़ा था,शरीर ठंड के कारण सिथिल पड़ चुका था,बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर जाने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार युवक नशीली पदार्थ का सेवन भी करता था,घटना की जानकारी मिलते ही रांगा थाना पुलिस बिंदुधाम स्थित युवक के घर पहुँची,मामले की जानकारी ली ,युवक की मौत कैसे हुई ये पोस्टमार्टम के बाद ही साफ हो पाएगी।युवक के घर में शोकाकुल परिवार की हालत रो रो कर बेहाल है।कुछ महीने पूर्व ही युवक की शादी हुई थी।खबर लिखे जाने तक परिजन यूवक के ससुराल वालों के आने की प्रतीक्षा कर रहे है।

डीसी व एसपी ने किया स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

देवघर : जिले के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा व पुलिस अधीक्षक सौरभ ने गुरुवार को संयुक्त रूप से नगर निकाय चुनावों को लेकर देवघर कॉलेज में बनाए जाने वाले स्ट्रांग रूम, मतगणना सेंटर और कुमैठा स्टेडियम में बनाए जाने वाले डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान स्ट्रांग रूम केन्द्रों के भीतर एवं बाहर की सुरक्षा व्यवस्था एवं आवश्यक की जाने वाली तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री लकड़ा ने निरीक्षण के दौरान मतदान के उपरांत मतदान दल के स्ट्रांग रूम में वापसी, सुगमतापूर्वक रिसिविंग, लगाए जाने वाले टेबल, एजेंट की एंट्री, मतगणना कक्ष, पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी शैलेश कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी रणवीर कुमार सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, यातायात डीएसपी, जिला खेल पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी व पुलिस पदाधिकारी आदि उपस्थित थें।

गणतंत्र दिवस समारोह स्थल पर अग्निशमन दल और मेडिकल टीम रहेगी मौजूद : उपायुक्त

सामाजिक स्तर अहम भूमिका निभाने वाले व्यक्तियों को जिला प्रशासन की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा

मुख्य समारोह में झांकी आकर्षण का केंद्र रहेगा

संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में आगामी गणतंत्र दिवस 2026 के सफल आयोजन एवं तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान पूर्व में गणतंत्र दिवस आयोजन के सफल संचालन से संबंधित कार्यों एवं दायित्व का अनुपालन पढ़ा गया।

इस बीच बताया गया कि पिछले वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुरूप 2026 में भी गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह सिद्धो कान्हो स्टेडियम साहिबगंज में आयोजित किया जाएगा।वहीं उपायुक्त ने संबंधित सरकारी कार्यालय एवं संस्थाओं के कार्यालय प्रधान एवं सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया कि अपने कार्यालय व विद्यालयों में ध्वजारोहण समारोह मुख्य झंडोतोलन के पूर्व करना सुनिश्चित करें।इस क्रम में माल्यार्पण से संबंधित निर्णय लिया गया कि मुख्य समारोह स्थल सिद्धो कान्हो स्टेडियम में सिद्धो कान्हो प्रतिमा पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा माल्यार्पण किया जाएगा। गांधी प्रतिमा, सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा, भगत सिंह बोस की प्रतिमा व डॉ भीमराव अंबेडकर प्रतिमा पर कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद साहिबगंज द्वारा माल्यार्पण किया जाएगा। डॉ राजेंद्र प्रसाद के प्रतिमा पर उप विकास आयुक्त साहिबगंज, चंद्रशेखर आजाद प्रतिमा पर पुलिस उपाधीक्षक सदर द्वारा माल्यार्पण किया जाएगा।राष्ट्रीय ध्वज झंडा बांधने, मुख्य समारोह स्थल पर बैठने माननीय अतिथि गनों के लिए व्यवस्था, ध्वनि विस्तारक यंत्र की व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं से संबंधित आवश्यक निर्णय लिए गए एवं पदाधिकारी को इसके लिए दायित्व सौंपा गया। मुख्य समारोह में जिला सशस्त्र बल,जैप- 9 के जवान जैप- 9 की महिला पुलिस बल, जैप- 9 की पुरुष बल एनसीसी महिला एवं पुरुष तथा चौकीदार के प्लाटून द्वारा परेड किया जाएगा।26 जनवरी को पूर्वाह्न 7:00 से 8:00 तक प्रभात फेरी विभिन्न विद्यालयों द्वारा निकाली जाएगी इसके लिए संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए गए। जबकि

क्रम में परेड निरीक्षण हेतु वाहन, राष्ट्रीय गान हेतु गायन टोली परेड व सलामी में भाग लेने वाले एनसीसी के छात्रों,महिला कैडेट्स हेतु वाहन की व्यवस्था से संबंधित निर्देश दिए गए।झांकी से संबंधित भी आवश्यक निर्णय लिए गए जिसमें बताया कि जिला ग्रामीण विकास अभिकरण वन विभाग, सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस सुरक्षा पिंक पेट्रोल, जिला, श्रम विभाग,पेयजल एवं स्वच्छता, शिक्षा विभाग, बाल विकास परियोजना, कृषि, भूमि संरक्षण, मत्स्य, जिला जनसंपर्क द्वारा झांकी प्रस्तुत की जाएगी।बैठक के दौरान गणतंत्र दिवस के अवसर पर खेल का आयोजन करने एवं एक दिन पूर्व सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन से संबंधित भी आवश्यक निर्णय लिए गए। वहीं 26 जनवरी को अपराह्न फ्रेंडशिप क्रिकेट मैच का आयोजन किया जाएगा। सभी पदाधिकारी को निर्देश दिया कि गणतंत्र दिवस से पूर्व अपने-अपने कार्यालयों में सफाई अभियान चलाएं इसके लिए उपनिर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कू को नोडल पदाधिकारी के रूप में नामित किया गया है।बैठक मे उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा,परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता गौतम भगत,अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज अमर जॉन आईन्द, विभागों के वरीय पदाधिकारी,सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी सभी अंचलाधिकारी,शहर के गणमान्य एवं अन्य उपस्थित थे।

जिलेबिया घाटी क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण का कार्य प्रगति पर : नीरज

संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और सुरक्षित यातायात सुनिश्चित करने के उद्देश्य से साहिबगंज जिले के प्रमुख दुर्घटना संभावित मार्गों घाटी क्षेत्रों को चिन्हित ब्लैक स्पॉट प्वाइंट पर सड़क सुरक्षा उपकरणों की स्थापना मरम्मती का कार्य किया जा रहा है। जिले के प्रमुख दुर्घटनाग्रस्त मार्ग जिलेबिया घाटी ब्लैक स्पॉट स्थलों का पथ निर्माण विभाग जिला परिवहन कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में निरीक्षण करते हुए भ्रमण किया। जबकि जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर व आईटी सहायक राजहंस द्वारा सभी चिन्हित मार्गों का निरीक्षण किया।भ्रमण के क्रम में जिलेबिया घाटी क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण का कार्य प्रगति पर पाया गया। साथ ही सड़क किनारे लगे साइन बोर्डों पर फैली झाड़ियों की कटाई कर उन्हें स्पष्ट दृश्यात्मक बनाया गया। सड़क सुरक्षा मानकों के अनुरूप चिन्हित स्थलों पर कैट आई, सूचनात्मक साइन बोर्ड, स्पीड लिमिट बोर्ड, स्ट्रीट लाइट, पॉट होल की मरम्मती रोड बैरियर, शेवरॉन साइन बोर्ड आदि लगाए जा रहे हैं। जिसमें संबंधित निर्माण कार्य निरंतर जारी है। मुख्य उद्देश्य सड़क पर चलने वाले वाहन चालकों को समय पर आवश्यक सूचना उपलब्ध करानानिर्धारित गति सीमा का पालन सुनिश्चित करना दुर्घटनाओं की संभावना को न्यूनतम करना है।उल्लेखनीय है कि सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से साहिबगंज जिले में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत विभिन्न जागरूकता सुधारात्मक गतिविधियाँ निरंतर संचालित की जा रही हैं।

योग्य लाभुकों को राशन सुविधा से जोड़ा जाना अत्यंत आवश्यक है : हेमंत सती

संवाददाता

साहिबगंज : जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में सहकारिता विभाग आपूर्ति विभागान्तर्गत संचालित योजनाओं व विभिन्न कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने धान अधिप्राप्ति योजना अंतर्गत धान प्राप्ति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।जिले में राशन कार्ड डिलेशन की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए अब तक हुए कार्यों की प्रगति की जानकारी ली परन्तु शेष बचे लाभुकों के डिलेशन कार्य में और अधिक तेजी लाने के निर्देश दिये।उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों से कहा कि समयबद्ध रूप से सभी योग्य लाभुकों को राशन सुविधा से जोड़ा जाना अत्यंत आवश्यक है जिससे कोई भी पात्र परिवार वंचित न रहे। इस में निमार्ण 100 एमटी 500 एमटी गोदामों की स्थिति की समीक्षा करते हुए पुराने गोदामों की मरम्मत कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने और नये गोदामों के निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने हेतु विभागीय समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने भंडारण क्षमता वितरण प्रणाली निगरानी तंत्र को और अधिक सुदृढ़ करने पर भी बल दिया।बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, जिला सहकारिता पदाधिकारी महादेव मुर्मू सहित विभिन्न प्रखंडों के गोदाम प्रबंधक उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों को कार्य में पारदर्शिता एवं तत्परता बनाये रखने का निर्देश दिया गया।

बाल विवाह बालिकाओं के विकास में गंभीर बाधा उत्पन्न करता है : डॉ खिरोधर

संवाददाता

दुमका : समाज से बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), बी.एड. संकाय, एस.पी. कॉलेज, दुमका द्वारा गुरुवार को ह्नबाल विवाह मुक्त भारतह्न विषय पर 100 दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता संताल परगना महाविद्यालय दुमका के प्राचार्य डॉ.खिरोधर प्रसाद यादव ने की। कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाओं, एनएसएस स्वयंसेवकों, बी.एड. प्रशिक्षुओं एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ.रंजीत कुमार दुबे ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह 100 दिवसीय अभियान समाज में व्याप्त बाल विवाह की समस्या के प्रति जागरूकता फैलाने, इसके दुष्परिणामों को जन-जन तक पहुँचाने तथा लोगों को कानून, शिक्षा एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग बनाने के उद्देश्य से चलाया जाएगा। अपने अध्यक्षीय संबोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. खिरोधर प्रसाद यादव ने कहा कि बाल विवाह न केवल एक सामाजिक बुराई है, बल्कि यह बच्चों–विशेषकर बालिकाओं–के शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक विकास में गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। उन्होंने कहा कि संविधान द्वारा प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य का अधिकार दिया गया है, किंतु बाल विवाह इन सभी अधिकारों का हनन करता है। डॉ. यादव ने इस 100 दिवसीय कार्यक्रम को अत्यंत सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे मंच के माध्यम से युवाओं को सामाजिक परिवर्तन का संवाहक बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि शिक्षा संस्थान केवल ज्ञान के केंद्र न रहकर सामाजिक जागरूकता और सुधार के केंद्र बनें। बी.एड. संकाय के प्रशिक्षु भविष्य के शिक्षक हैं, और यदि वे बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं के विरुद्ध जागरूक होंगे तो आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा दे सकेंगे। डॉ. यादव ने सभी स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे इस अभियान को केवल औपचारिकता न मानें, बल्कि इसे अपने जीवन और समाज से जोड़ते हुए जन-जन तक इसका संदेश पहुँचाएँ। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने बाल विवाह के सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। बताया गया कि कम उम्र में विवाह से बालिकाओं में मातृ मृत्यु दर, कुपोषण, शिक्षा से वंचित होने तथा घरेलू हिंसा की आशंका बढ़ जाती है। साथ ही यह भी बताया गया कि भारत में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है, और समाज के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह इस कानून के अनुपालन में सहयोग करे। एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा बाल विवाह के विरुद्ध नारे लगाए गए तथा जागरूकता संदेश प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि आगामी 100 दिनों में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी, जिनमें जागरूकता रैली, पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता, संगोष्ठी, परिचर्चा, नुक्कड़ नाटक, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान तथा विद्यालयों में जागरूकता सत्र शामिल होंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों और इससे बचाव के उपायों के प्रति सजग किया जाएगा। बी.एड. संकाय के शिक्षकों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बाल विवाह की समस्या केवल कानून से नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और मानसिकता में बदलाव से ही समाप्त हो सकती है। इसके लिए शिक्षा, संवाद और सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों को इस अभियान में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए प्रो स्नेहलता खालखो ने प्राचार्य, सभी शिक्षकगण, एनएसएस स्वयंसेवक एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया और आशा जताई कि यह 100 दिवसीय अभियान समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सफल होगा। उन्होंने कहा कि ह्नबाल विवाह मुक्त भारतह्न का सपना तभी साकार हो सकता है जब युवा पीढ़ी जागरूक, संवेदनशील और जिम्मेदार बने।

समापन अवसर पर सभी उपस्थित लोगों ने बाल विवाह के विरुद्ध संकल्प लिया और समाज से इस कुप्रथा को समाप्त करने हेतु निरंतर प्रयास करने का आश्वासन दिया। इस प्रकार राष्ट्रीय सेवा योजना, बी.एड. संकाय, एस.पी. कॉलेज, दुमका द्वारा शुरू किया गया यह 100 दिवसीय कार्यक्रम सामाजिक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक पहल सिद्ध हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ.कुमार सौरभ, डॉ. यदुवंश यादव, डॉ. देवाशीष मंडल, डॉ. आनंदवर्धन, प्रो. अनुजा कुमारी, प्रो. रितु सुंडी, प्रो. सुनील मरांडी, प्रो. अनिल कुमार सिंह उपस्थित थे।

कंगना रनौत ने नई फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की शूटिंग शुरू की, सेट से शेयर किया वीडियो

अभिनेत्री कंगना रनौत को आखिरी बार पिछले साल जनवरी में रिलीज हुई फिल्म 'इमरजेंसी' में देखा गया था। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिल पाई, जिसके बाद कंगना ने अपना ज्यादातर फोकस राजनीति पर कर लिया था। अब एक बार फिर वह फिल्मों की ओर लौटती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने खुद संकेत दिए हैं कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह फिल्म के सेट पर दिखाई दे रही हैं। वीडियो में वह निर्देशक मनोज तापड़िया के साथ बातचीत करती नजर आती हैं। इस पोस्ट के जरिए कंगना ने बताया कि वह अपनी आगामी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की शूटिंग शुरू कर चुकी हैं। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि लंबे वक्त बाद शूटिंग पर लौटकर उन्हें बेहद अच्छा महसूस हो रहा है।

हॉलीवुड डेब्यू और आने वाले प्रोजेक्ट्स

'भारत भाग्य विधाता' की घोषणा साल 2024 में हुई थी, हालांकि फिल्म से जुड़ी ज्यादा जानकारियां अभी सामने नहीं आई हैं। इसी बीच खबर है कि कंगना जल्द ही हॉलीवुड में भी डेब्यू करने वाली हैं। वह हॉरर-ड्रामा फिल्म 'ब्लेस्ड बी द ईविल' में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन अनुराग रुद्र कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ टायलर पोसी और स्कारलेट रोज स्टैलोन भी अहम भूमिकाओं में होंगे। इसके अलावा, कंगना के पास 'क्वीन 2' और 'तनु वेड्स मनु 3' जैसे चर्चित प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनका आधिकारिक ऐलान अभी होना बाकी है।

रणवीर सिंह की फिल्म को इतने करोड़ की दरकार

भारत में 1000 करोड़ कमाने वाली पहली फिल्म बनेगी धुरंधर!

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर सिनेमाघरों में रिलीज के 27 दिन पूरे कर चुकी है. इन 27 दिनों में फिल्म का शानदार कलेक्शन देखने को मिला है. अभी तक कोई भी दिन ऐसा नहीं रहा है जब फिल्म ने 10 करोड़ से कम का कलेक्शन किया हो. फिल्म का ये रिकॉर्ड इसे और भी खास बनाता है.

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है जबकी फिल्म की रिलीज को 1 महीना पूरा होने को है. इस फिल्म का कलेक्शन काफी शानदार नजर आ रहा है. भारत में इस फिल्म ने जो रिकॉर्ड बनाया है वो अब तक के इतिहास में कभी नहीं बनाया जा सका है. धुरंधर फिल्म की कमाई के ताजा आंकड़े आ गए हैं. फिल्म का 27वें दिन का कलेक्शन यानी बीते बुधवार का कलेक्शन उसका किसी भी दिन का सबसे न्यूत्तम कलेक्शन है. मगर इसके बाद भी किसी भी हिंदी फिल्म ने ये कमाल कर के नहीं दिखाया जो धुरंधर ने किया है. फिल्म में रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर माधवन और अर्जुन रामपाल की शानदार एक्टिंग देखने को मिली. रहमान डकैत के रोल में अक्षय खन्ना ने माहौल ही बना दिया. साल 2026 की शुरुआत में ही इस फिल्म का दूसरा पार्ट भी रिलीज कर दिया जाएगा. ऐसे में आइए जानते हैं कि पहले पार्ट के कलेक्शन से अभी और क्या-क्या उम्मीद की जा सकती है.

भारत में धुरंधर ने कितने रुपए कमाए?

धुरंधर फिल्म की बात करें तो भारत में इस फिल्म का हाल बेहद शानदार नजर आ रहा है. फिल्म लगातार 27वें दिन 10 करोड़ से ज्यादा कमाने में सफल रही है. सैकनिल्क की रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म 27वें दिन 10.50 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है. इस लिहाज से देखा जाए तो धुरंधर का 27 दिनों का भारत का नेट कलेक्शन 722.75 करोड़ रुपए का हो चुका है. फिल्म जरूर एक जनवरी 2026 को और भी तगड़ी कमाई करेगी और अपने रिकॉर्ड्स में सुधार करेगी. देखने वाली बात होगी कि क्या फिल्म 3 दिनों तक 10 करोड़ से ज्यादा कमा सकती है. अगर ऐसा होगा तो ये फिल्म देश के इतिहास की पहली ऐसी मूवी हो जाएगी जिसने लगातार 1 महीने तक 10 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया हो.

कितना रहा धुरंधर का वर्ल्डवाइड कलेक्शन?

धुरंधर फिल्म के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो इस फिल्म का 26 दिनों का ग्रॉस कलेक्शन 854 करोड़ रुपए का रहा है. इसके अलावा फिल्म ने ओवरसीज मार्केट से 246.30 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है. ऐसे में इस फिल्म का 26 दिनों का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1101 करोड़ रुपए का हो चुका है. वहीं अगर इसमें 10.50 करोड़ रुपए जोड़ दिए जाएं तो इस फिल्म का 27 दिनों का कुल कलेक्शन 1128 करोड़ रुपए का हो चुका है. फिल्म को नए साल पर फायदा होगा इसके अलावा अब इसे अगस्त्य नंदा की डेब्यू फिल्म इक्कीस से भी मुकाबला करना पड़ेगा. इक्कीस को सिंगल स्क्रीन थिएटर्स से हटा दिया गया है. इसका भी फिल्म को नुकसान झेलना पड़ सकता है.

क्या 1000 करोड़ रुपए कमा पाएगी धुरंधर?

धुरंधर ने कई ऐसे रिकॉर्ड बॉक्स ऑफिस पर बनाए जिन्हें तोड़ पाना हर किसी के बस की बात नहीं है. इस फिल्म ने कई कीर्तिमान रचे. अब फिल्म एक और बड़ा कीर्तिमान रच सकती है. ये मूवी पहले ही भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म बन गई है. अब फिल्म भारत में 1000 करोड़ का कलेक्शन करने वाली पहली बॉलीवुड फिल्म बन सकती है. इसके लिए लेकिन फिल्म को अभी लंबा रास्ता तय करना है और वीकेंड में ज्यादा से ज्यादा कलेक्शन करने के साथ ही वीकडेज में भी अपनी ग्रिप को मजबूत रखना है. धुरंधर फिल्म का अब तक 27 दिनों में अनुमानित ग्रॉस कलेक्शन 865 करोड़ रुपए है. ऐसे में फिल्म को अभी 135 करोड़ रुपए और कमाने होंगे. तभी ये फिल्म एक और महारिकॉर्ड अपने नाम कर पाएगी.

'डॉन 3' नहीं, इन 2 बड़ी फिल्मों से गर्दा उड़ाएंगे ऋतिक रोशन

साल 2025 को टाटा-बाय बाय बोलकर अब 2026 में एंट्री हो चुकी है. पिछले साल की तरह ही इस साल भी कई बड़ी फिल्में रिलीज होंगी. जिनका हर किसी को बेसब्री से इंतजार है. शुरुआत 1 जनवरी से ही हो चुकी है, जब धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म आएगी. पर आज हम बात 'डॉन 3' पर करेंगे, साथ ही ऋतिक रोशन के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स के बारे में बताएंगे. जिन्हें लेकर ऐसी चर्चा थी कि वो रणवीर सिंह की छ्रह्ह 3 में जगह लेंगे. साल 2025 बॉलीवुड और साउथ वालों के लिए काफी जबरदस्त रहा है. कुछ बड़ी फिल्में बेशक इम्प्रेस करने में कामयाबी हासिल नहीं कर पाईं. पर उन फिल्मों ने खूब दिल जीता, जिनकी रिलीज से पहले कोई चर्चा नहीं थी. साल 2026 यानी इस साल भी कई बड़ी फिल्में आने वाली हैं. पर हम शुरुआत करेंगे उस अफवाह से जो बीता साल खत्म होते-होते सुर्खियों में रही. ऐसा कहा गया कि रणवीर सिंह की छ्रह्ह 3 को छोड़ने के बाद उनकी जगह ऋतिक रोशन ने ले ली है. फरहान अख्तर के वो बहुत अच्छे दोस्त हैं, तो उन्हें साइन किया गया है. पर अबतक ऐसा कुछ भी नहीं होने वाला. ऋतिक इस वक्त अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स पर बिजी हैं और 'डॉन 3' से कोई लेना-देना नहीं है. पर कौनसे हैं वो 2 बड़े प्रोजेक्ट्स, जिससे एक्टर तूफान मचाने की तैयारी कर चुके हैं. सबसे खास बात है कि उनका दूसरा प्रोजेक्ट एक बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ है. ऋतिक रोशन के लिए साल 2025 कुछ खास नहीं रहा है.

हंसी और इमोशन का डोज फिर तैयार, 'सिंगल पापा' सीजन 2 अनाउंस

अभिनेता कुणाल खेमू की वेब सीरीज 'सिंगल पापा' का प्रीमियर दिसंबर 2025 में हुआ था और छह एपिसोड की इस कॉमेडी-ड्रामा ने रिलीज होते ही दर्शकों के बीच खास जगह बना ली। सीरीज को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद अब मेकर्स इसके दूसरे सीजन के साथ लौटने के लिए तैयार हैं। नेटफ्लिक्स ने आधिकारिक तौर पर 'सिंगल पापा 2' का ऐलान कर दिया है, जिसके बाद फैंस का उत्साह साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने 'सिंगल पापा 2' का नया पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ₹बधाई हो, सीजन 2 होने वाला है। सिंगल पापाः सीजन 2, जल्द आ रहा है, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर।₹ इस घोषणा के साथ ही सोशल मीडिया पर दर्शक अपनी खुशी जाहिर करते नजर आ रहे हैं और नई किस्त का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सीरीज की कहानी गहलोत परिवार की खट्टी-मीठी नोकझोंक और भावनात्मक रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। कुणाल खेमू इसमें गौरव गहलोत के किरदार में नजर आते हैं, जो एक लावारिश बच्चे को अपनाने का फैसला करता है। उनके साथ नेहा धूपिया, मनोज पाहवा, प्राजक्ता कोली और दयानंद शेट्टी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देते हैं। अब दूसरे सीजन से दर्शकों को और ज्यादा हंसी, इमोशन और दिल छू लेने वाले पल मिलने की उम्मीद है।

अनीत पड्डा की फिल्म शक्ति शालिनी की हुई घोषणा

अनीत पड्डा, जो 2025 की हिट फिल्म सैयारा से फेमस हुईं, अब मैडॉक फिल्म्स की आने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म शक्ति शालिनी में मुख्य भूमिका निभाएंगी। पहले शक्ति शालिनी की घोषणा फिल्म थामा की थिएटर रिलीज के साथ एक खास वीडियो से की गई थी। लेकिन आज एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें शक्ति शालिनी के निर्माताओं ने इस फिल्म की एक और घोषणा अगस्त्य नंदा की फिल्म इक्किस के साथ की है। यह क्लिप का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। शक्ति शालिनी की घोषणा वीडियो थामा के साथ दिखाई गई और सोशल मीडिया पर यह क्लिप बहुत वायरल हो रही है। अब एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें अनीत थिएटर में बैठी है और अपनी फिल्म शक्ति शालिनी की घोषणा देख रही हैं। शक्ति शालिनी मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्म है। कथित तौर पर यह फिल्म 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। फिल्म में हॉरर, कॉमेडी और थ्रिलर का मजेदार मिश्रण होगा, जो मैडॉक की खासियत है।

'आज मेरे पिया घर आवेंगे' जानें कैलाश खेर के गाने की इनसाइड स्टोरी

मोहब्बत नहीं, मौत का जश्न है

सूफी से लेकर क्लासिकल संगीत में मोहब्बत और प्यार से सराबोर गाने सुनने को मिल जाते हैं, लेकिन बात जब कैलाश खेर जैसे सिंगर की आती है, तो गाने की हर पंक्ति का अपना वजूद होता है और उनके गाने और आवाज सीधा दिल पर असर करती है। आज 700 गानों में अपनी आवाज देने वाले कैलाश खेर किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। सिंगर ने 'अल्लाह के बंदे हंस दे' और 'रब्बा इश्क न होवे' जैसे गानों से पॉपुलैरिटी हासिल की, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिंगर का 'आज मेरे पिया घर आवेंगे' रोमांटिक नहीं बल्कि स्पिरिचुअल सॉन्ग है?

शादी-ब्याह में बजने वाले 'आज मेरे पिया घर आवेंगे' गाने को लेकर लोगों के बीच धारणा है कि दुल्हन अपने पिया के लिए सज रही है और उनके स्वागत की तैयारी कर रही है, लेकिन ऐसा नहीं है। ये गाना आत्मा और परमात्मा के मिलन को दिखाता है। गाने की पहली पंक्ति 'हे री सखी मंगल गाओ री, धरती अंबर सजाओ री, आज उतरेगी पी की सवारी' का अर्थ है कि एक आत्मा, जो शरीर को त्याग चुकी है, वो अपने परमात्मा यानी अपने 'पी' से मिलने के लिए उत्साहित है। आत्मा खुद का 'श्रृंगार' कर रही है, खुद को बुरे कर्मों से मुक्त करती है और अब अपने 'पी' से मिलना चाहती है। कैलाश खेर ने खुद इस बात का खुलासा किया था कि गाना बनाने की प्रेरणा उन्हें मौत से ही मिली थी। उन्होंने खुद बताया था कि 21 नवंबर के दिन मेरे पिता जोर-जोर से हरे राम और भगवान के भजनों को चिल्ला-चिल्ला कर गा रहे थे, जो देखने में नॉर्मल नहीं लग रहा था। वे अपने भगवान में लीन थे और मुख पर सिर्फ 'ईश्वर' का नाम था। मैंने उनसे पूछा कि पिताजी, आप ठीक हैं? लेकिन तभी उन्होंने अपने प्राण त्याग दिए, लेकिन उनके चेहरे पर एक खुशी और शांति थी, जैसे वे अपने परमात्मा से मिलकर पूर्ण हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि मेरे पिता को अहसास हो चुका है कि वे आज परमात्मा में लीन होने वाले हैं और वे खुश थे, सुकून में थे। पिता की मौत के बाद कैलाश टूट गए थे, क्योंकि उनके पिता ने ही उन्हें संगीत का ज्ञान दिया था। पिता की मौत के दिन भी उन्होंने स्टेज पर लाइव परफॉर्मेंस दी थी, क्योंकि उस वक्त वे अपने करियर के संघर्ष के दौर से गुजर रहे थे। पिता की मौत के बाद ही आत्मा और परमात्मा के इस रिश्ते को उन्होंने शब्दों के माध्यम से गीत में पिरोकर एक मार्मिक गीत बनाया। सिंगर ने कहा था कि ये गाना उनके लिए बेहद खास है, क्योंकि ये उन्हें उनके पिता की याद दिलाता है।

प्रीमियर लीग 2025-26: आर्सेनल और लिवरपूल के बीच गोलरहित ड्रॉ

एजेंसी

लंदन : आर्सेनल को प्रीमियर लीग 2025-26 में शीर्ष पर अपनी बढ़त आठ अंकों तक ले जाने का सुनहरा मौका गंवाना पड़ा, जब बारिश से भीगे एमिरेट्स स्टेडियम में गुरुवार रात खेले गए मुकाबले में उसका सामना डिफेंडिंग चैंपियन लिवरपूल से 0-0 की निराशाजनक बराबरी पर छूटा। मिकेल आर्टेटा की टीम ने अपने पिछले सात घरेलू लीग मुकाबले जीते थे और उसे उम्मीद थी कि वह खिताबी प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाएगी, खासकर तब जब मैनचेस्टर सिटी और एस्टन विला ने एक रात पहले अंक गंवाए थे। हालांकि, लिवरपूल–जो चोटों से जूझ रहा था और बिना किसी

मान्यता प्राप्त स्ट्राइकर के उतरा–ने आर्सेनल को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। मैच की शुरूआत में आर्सेनल ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन लिवरपूल ने धीरे-धीरे लय पकड़ी और पहले हाफ में बढ़त लेने के सबसे करीब रहा। कॉनर ब्रैडली का चिप शॉट क्रॉसबार से टकरा गया, जबकि कोडी गाकपो का फॉलो-अप शॉट डिफेंस ने रोक लिया। दूसरे हाफ में आर्टेटा ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए कई बदलाव किए, लेकिन उनका असर सीमित रहा। गेब्रियल जीसस, गेब्रियल मार्टिनेली, एबेरेची एजे और नोनी माडुके जैसे खिलाड़ियों को उतारने के बावजूद आर्सेनल की आक्रमण पंक्ति बेअसर रही और मुकाबला धीरे-धीरे फीका पड़ गया। इस ड्रॉ के साथ आर्सेनल मैनचेस्टर सिटी और एस्टन विला से छह अंक आगे शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि लिवरपूल नौ मैचों की अपराजेय लीग श्रृंखला के बावजूद चौथे स्थान पर है और शीर्ष से 14 अंक पीछे है। दूसरे हाफ में आर्सेनल का दबदबा लगभग नदारद रहा। टीम को स्टॉपेज टाइम तक कोई कॉर्नर भी नहीं मिला और उसकी मशहूर सेट-पीस रणनीति भी काम नहीं आई। मैच के अंत में खिलाड़ियों और दर्शकों के चेहरों पर निराशा साफ दिखी, हालांकि 17 मैच शेष रहते आर्सेनल अब भी 2004 के बाद अपना पहला इंग्लिश लीग खिताब जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

सऊदी प्रो लीग 2025-26: अल कादिसिया से हार के बाद रोनाल्डो और अल नासर की खिताबी दौड़ को झटका

एजेंसी

रियाद : सऊदी प्रो लीग 2025-26 में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल नासर को खिताबी दौड़ में बड़ा झटका लगा है। गुरुवार को खेले गए मुकाबले में अल नासर को अल कादिसिया के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। यह अल नासर की लगातार दूसरी लीग हार है। इस हार के बाद अल नासर 31 अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर बना हुआ है और शीर्ष पर मौजूद अल हिलाल से चार अंक पीछे है। दोनों टीमें अब सोमवार को होने वाले रियाद डर्बी में आमने-सामने होंगी। अल कादिसिया की ओर से जूलियन क्विनोनेस और नाहितान नांदेज ने गोल दागे, जबकि अल नासर के लिए एकमात्र गोल क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पेनल्टी से किया। मैच की शुरूआत में घरेलू

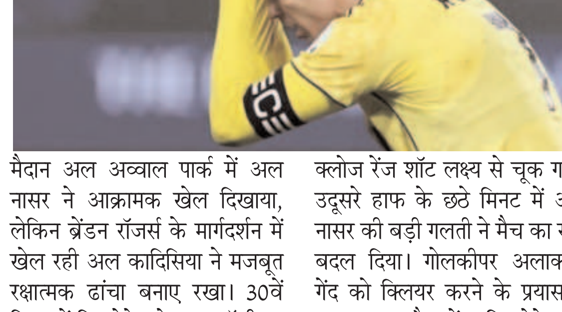

मैदान अल अव्वाल पार्क में अल नासर ने आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन ब्रेंडन रॉजर्स के मार्गदर्शन में खेल रही अल कादिसिया ने मजबूत रक्षात्मक ढांचा बनाए रखा। 30वें मिनट में क्विनोनेस ने हाफ-वॉली पर शानदार शॉट लगाया, लेकिन अल नासर के गोलकीपर नवाफ अलाकीदी ने बेहतरीन बचाव किया। पहले हाफ के अंतिम क्षणों में किंग्सले कोमान के पास बढ़त दिलाने का सुनहरा मौका था, लेकिन एंजेलो गेब्रियल के क्रॉस पर उनका क्लोज रेंज शॉट लक्ष्य से चूक गया। उदूसरे हाफ के छठे मिनट में अल नासर की बड़ी गलती ने मैच का रुख बदल दिया। गोलकीपर अलाकीदी गेंद को क्लियर करने के प्रयास में चूक गए और गेंद क्विनोनेस से टकराकर उनके ही सामने आ गई। खुले गोल के सामने क्विनोनेस ने कोई गलती नहीं की और अल कादिसिया को बढ़त दिला दी। पहला गोल करने के बाद अल कादिसिया को झटका लगा जब उसका पहला पसंदीदा गोलकीपर कोएन कास्टील्स चोटिल होकर मैदान से बाहर हो गया। हालांकि इसके बावजूद टीम का आत्मविश्वास कम नहीं हुआ। 66वें मिनट में अल कादिसिया ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। क्विनोनेस ने दाहिने फ्लैंक से गेंद जीतकर रेटेगुई को पास दिया। रेटेगुई का पहला शॉट बचा लिया गया, लेकिन रिबाउंड पर नांदेज ने जोरदार शॉट लगाकर गेंद को जाल की छत में पहुंचा दिया। मैच के 80वें मिनट में अल नासर को वापसी का मौका मिला, जब वीएआर की समीक्षा के बाद जेहाद थाकरी के हैंडबॉल पर पेनल्टी दी गई। इस फैसले पर अल कादिसिया के खिलाड़ियों ने कड़ा विरोध किया, जिसमें नांदेज को असहमति जताने पर पीला कार्ड भी दिखाया गया। पेनल्टी पर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने खास अंदाज में गेंद को निचले बाएं कोने में पहुंचाकर स्कोर 1-2 कर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज सीधी जिले को देंगे विकास कार्यों की सौगात

✔ बहरी में होगा लोकार्पण-शिलान्यास, प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण एवं हितलाभ वितरण कार्यक्रम

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शुक्रवार को सीधी जिले के बहरी में आयोजित विभिन्न विभागों के हितग्राहियों के प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में 201 करोड़ 64 लाख रुपये के 209 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री 68 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 179 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 133 करोड़ 62 लाख रुपये लागत के

30 विकास कार्यों का शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ३एक बगिया मां के नाम" योजना में 505 हितग्राहियों को 11 करोड़ 58 लाख रुपए की राशि से लाभान्वित करेंगे।

प्रशिक्षण एवं हितग्राही उन्मुखीकरण कार्यक्रम भी आयोजित

जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, बहरी में विभिन्न विभागों के हितग्राहियों का प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम भी आयोजित होगा। इससे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी हितग्राहियों तक सीधे पहुँचेगी और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग तथा जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल, स्थानीय सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायकगण विश्वामित्र पाठक, रीती पाठक, कुंवर सिंह टेकाम व अजय सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू रामजी सिंह, पूर्व विधायक शरदेन्दु तिवारी तथा वरिष्ठ समाजसेवी देवकुमार सिंह चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

विभिन्न विभागों के 179 कार्यों का लोकार्पण

जनसम्पर्क अधिकारी मुकेश मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा बहरी में अनुसूचित जाति विभाग, आदिवासी विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, जिला पंचायत वाटरशेड, राजस्व विभाग, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत कुल 179 विकास कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। इन कार्यों पर 68 करोड एक लाख 40 हजार रुपये की लागत व्यय की गई है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना एवं ग्रामीण विकास को मजबूती मिलेगी।

30 विकास कार्यों का होगा शिलान्यास

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा पंचायत एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनाझ्रवाटरशेड विकास), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पीआईयू विभाग तथा लोक निर्माण विभाग (भवन/सड़क संभाग) के अंतर्गत कुल 30 विकास कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा।

मुर्शिदाबाद में घर की छत पर चल रही हेरोइन फैक्ट्री का भांडाफोड़

भारी मात्रा में प्रतिबंधित मादक पदार्थ के साथ चार गिरफ्तार

एजेंसी

मुर्शिदाबाद : बीते कई दिनों से मुर्शिदाबाद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे हैं अभियान के तहत जिले की सागरदिघी थाना पुलिस ने एक अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर गिरोह का पदार्फाश करते हुए भारी मात्रा में हेरोइन जब्त की है। पुलिस ने एक घर की छत पर चल रही अवैध ड्रग फैक्ट्री पर छापेमारी कर चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। इनके पास से करीब 5.287 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग तीन करोड़ रुपये आंकी गई है। जंगीपुर के एसडीपीओ प्रबीर मंडल ने गुरुवार रात को बताया कि पुलिस को सागरदिघी के काबिलपुर कोयलपाड़ा इलाके में एक घर के भीतर अवैध मादक पदार्थ तैयार किए जाने की गुप्त सूचना मिली थी। इसी आधार पर सागरदिघी थाने के आईसी सुमित विश्वास के

नेतृत्व में पुलिस की एक विशेष टीम ने बुधवार रात उक्त मकान पर छापेमारी की। पुलिस ने घर की छत पर हेरोइन बनाते हुए चार लोगों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान राकिबुल शेख, उसकी पत्नी मोमिना बीबी, हसीना बीबी और लालगोला निवासी इब्राहिम शेख के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि इब्राहिम शेख अपनी बहन के घर पर लंबे समय से चोरी-छिपे यह कारखाना चला रहा था। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में नशीले पदार्थ के अलावा हेरोइन बनाने के उपकरण और अन्य सामग्री भी बरामद की है।

एसडीपीओ के अनुसार, यह हेरोइन न केवल स्थानीय बाजारों में बल्कि अन्य राज्यों में भी तस्करी के लिए तैयार की जा रही थी। आरोपितों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। गुरुवार को बहरामपुर की विशेष अदालत में पेश किए जाने पर न्यायाधीश ने चारों आरोपितों को 10 दिनों की पुलिस हिरासत में भेजने का निर्देश दिया। पुलिस अब इस गिरोह के मुख्य सरगना और सप्लाई चेन का पता लगाने में जुटी है।

एसआईआर प्रक्रिया की सुनवाई में विशेष वर्ग को राहत दिए जाने के फैसले का शुभेंदु ने किया स्वागत

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट कर भारत के राष्ट्रीय चुनाव आयोग (ईसीआई) का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया की सुनवाई में कुछ वर्ग के मतदाताओं को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने से छूट देने के लिए तीन अहम निर्देश जारी किए हैं, जो सराहनीय कदम है। अपने पोस्ट में शुभेंदु अधिकारी ने लिखा कि इस फैसले से उन मतदाताओं को बड़ी राहत मिलेगी, जो फिलहाल राज्य के बाहर रह रहे हैं। इनमें राज्य से बाहर पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राएं, अस्पताल में भर्ती मरीज, राज्य के बाहर अस्थायी रूप से काम कर रहे निजी क्षेत्र के कर्मचारी, राज्य के बाहर तैनात सरकारी कर्मचारी, सैन्य बल और अर्धसैनिक बलों में कार्यरत जवान, राज्य के बाहर पोस्टिंग वाले पीएसयू कर्मचारी और विदेश में रहने वाले मतदाता शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन सभी श्रेणियों के मतदाताओं को अब एसआईआर प्रक्रिया की सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की बाध्यता से छूट दी गई है। इसके साथ ही, चुनाव आयोग ने यह भी व्यवस्था की है कि ऐसे मतदाताओं की ओर से उनके परिवार के सदस्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रतिनिधि के रूप में सुनवाई में हिस्सा ले सकेंगे।

छत्तीसगढ़ में 10 जनवरी तक 18 जिलों में शीत लहर की चेतावनी

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने 10 जनवरी तक प्रदेश के 18 जिलों में शीतलहर चलने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार इन जिलों के एक-दो पॉकेट क्षेत्रों (पहाड़ी इलाकों) में तीखी ठंड और ठंडी हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने सरगुजा, जशपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, रायपुर, बलौदाबाजार, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, दुर्ग, बालोद, कबीरधाम और बेमेतरा जिले के लिए शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। आज शुक्रवार की सुबह रायपुर में तापमान 9 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया। जिससे जनजीवन सुस्त नजर आया। कई इलाकों में देर सुबह तक धुंध छाई रही। मौसम विभाग ने बताया है कि उत्तर-पश्चिम भारत के ऊपर हवा की ऊपरी परतों में एक मौसमीय सिस्टम (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। इसी के साथ उत्तर

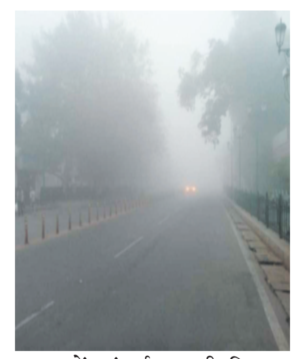

भारत में ऊंचाई पर भी सिस्टम (पश्चिमी जेट स्ट्रीम) बना हुआ है। इसकी रफ्तार करीब 140 नॉट्स (करीब 260 किमी/घंटा) है। इस तरह हिमालय से आ रही तेज हवाएं प्रदेश में ठंड बढ़ा रही है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश में प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान 3.3 डिग्री सेल्सियस अम्बिकापुर में दर्ज किया गया।पेंड्रारोड में न्यूनतम 7.6, दुर्ग में 8.0, जगदलपुर में 8.4 और माना एयरपोर्ट में 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।सरगुजा, दुर्ग और रायपुर संभाग के जिलों में एक-दो पाकेट में शीतलहर का असर साफ नजर आया।सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 28.4त्ञ दुर्ग में दर्ज किया गया।

ताजिकिस्तान में आए भूकंप के झटके कश्मीर घाटी में भी महसूस किए गए

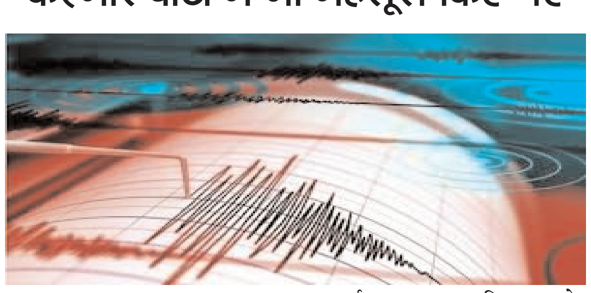

एजेंसी

श्रीनगर : मध्य एशियाई देश ताजिकिस्तान में आज तड़के रिक्टर स्केल पर 5.3 तीव्रता का एक मध्यम भूकंप आया। इसके झटके कश्मीर घाटी तक महसूस किए गए। अभी तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप 2:44 बजे (भारतीय समयानुसार) आया। इसका केंद्र ताजिकिस्तान में 110 किलोमीटर की गहराई पर अफगानिस्तान के फैजाबाद से लगभग 283 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व में 38.26 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 73.42 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। भूकंप के झटके कश्मीर घाटी में भी महसूस किए गए। इस भूकंप से फिलहाल किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि इसके अधिक गहराई पर होने के कारण सतह पर इसका प्रभाव सीमित रहने की उम्मीद है।

भारतीय विदेशमंत्री जयशंकर पेरिस में मिले फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से

एजेंसी

पेरिस (फ्रांस) : फ्रांस के दौरे पर पहुंचे भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने यहां राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। उन्होंने उन्हें भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से शुभकामनाएं दीं। जयशंकर ने एक्स हैंडल पर यह जानकारी सचित्र साझा की है। डॉ. एस. जयशंकर ने एक्स पर लिखा, "आज फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं देकर बहुत खुशी हुई। समकालीन वैश्विक घटनाक्रमों पर उनके विचारों और हमारी रणनीतिक

साझेदारी के लिए उनकी सकारात्मक भावनाओं की मैं बहुत सराहना करता हूं।" विदेशमंत्री जयशंकर ने दूसरी पोस्ट में लिखा, "आज पेरिस में फ्रांस के राजदूतों के सम्मेलन को संबोधित करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैंने व्यापार, वित्त, तकनीक, ऊर्जा, संसाधन और कनेक्टिविटी से होने वाले मौजूदा वैश्विक बदलावों पर जोर दिया। सोच में बदलाव एक अहम फैक्टर रहा है। साथ ही, बहु-ध्रुवीयता और रणनीतिक स्वायत्तता को बढ़ावा देने में भारत-फ्रांस साझेदारी के महत्व पर भी बात की।" उल्लेखनीय है कि इससे पहले जयशंकर पेरिस में पहली बार अपने वाइमर (जर्मनी, फ्रांस, पोलैंड) के समकक्षों के साथ वैश्विक मुद्दों पर चर्चा कर चुके हैं। डॉ. जयशंकर ने इस दौरान अपने समकक्षों से भारत-यूरोपियन यूनियन संबंधों को मजबूत करने के अलावा इंडो-पैसिफिक (हिंद-प्रशांत) की चुनौतियों पर चर्चा की। भारतीय विदेशमंत्री डॉ. जयशंकर ने फ्रांस के विदेशमंत्री जीन नोएल बैरट से मिलने के बाद कहा कि यूरोप वैश्विक स्तर पर अहम खिलाड़ी है और जरूरी है कि भारत और यूरोप के रिश्ते मजबूत हों। भारत और फ्रांस वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में स्थिरता ला सकते हैं।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशियाई बाजार में तेजी का रुख

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार करके बंद हुए। डाउ जॉन्स आज फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय आज डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बढ़ाए गए टैरिफ की वैधता पर फैसला सुनाने वाला है। आज ही अमेरिका में नॉन फॉर्म पेरोल (बेरोजगारी दर) के आंकड़े आने वाले हैं। इसलिए पिछले सत्र के दौरान निवेशक सतर्क होकर कारोबार करते हुए नजर आए, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद

हुए। डाउ जॉन्स 270 अंक चढ़ कर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 6,921.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 100.71 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,483.56 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 49,323.22 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार करने के बाद सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,044.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,243.47 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 0.02 अंक की सांकेतिक मजबूती के साथ 25,127.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज आमतौर पर मजबूती का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि सिर्फ एक सूचकांक मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,955 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,742.94 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 30,391.38 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 665.74 अंक यानी 1.30 प्रतिशत उछल कर 51,783 अंक के स्तर तक आ गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,584.82 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,259.19 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,959.61 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.30 प्रतिशत उछल कर 4,095.33 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 26,154 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आए युवक की दर्दनाक मौत, चालक फरार

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के सदर कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार रात करीब 10 बजे एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया। इंडियन ऑयल चौकी के पास तेज रफ्तार डंपर के पीछे फंसकर एक युवक काफी दूरी तक घसीटता चला गया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवा दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक डंपर कानपुर की ओर से आ रहा था। किसी कारणवश युवक वाहन के पिछले हिस्से में फंस गया और चालक को इसकी भनक तक नहीं लगी। राहगीरों ने युवक को डंपर के पीछे लटका और घसीटते देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी।
हादसे के बाद चालक डंपर को घटनास्थल के पास खड़ा कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपी चालक की पहचान की जा सके।
फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। उसकी उम्र करीब 35 से 40 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पुलिस शिनाख्त कराने के प्रयास में जुटी हुई है। कोतवाली प्रभारी राजकुमार सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। चालक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चतुर्थ श्रेणी के उम्मीदवारों को आज नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे मुख्यमंत्री

गुवाहाटी : असम सरकार द्वारा आयोजित एडीआरई परीक्षा उत्तीर्ण उम्मीदवारों के लिए आज से नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आरंभ होने जा रहा है। आज नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा हिस्सा लेंगे। असम सरकार द्वारा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के अनुसार आज चतुर्थ श्रेणी के उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र का वितरण खानापारा के ज्योति-विष्णु अंतरराष्ट्रीय कला मंदिर में आयोजित किया जाएगा। इस बीच 10 जनवरी को तृतीय श्रेणी के उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र का वितरण सरुसजाई स्थित अर्जुन भोगेश्वर बरुवा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया जाएगा। वहीं 12 जनवरी को झ्र चाय जनजाति के उम्मीदवारों (तृतीय और चतुर्थ श्रेणी) को नियुक्ति पत्रों का वितरण भांगागढ़ स्थित गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने विधानसभा चुनावों के दौरान एक लाख नियुक्ति का आश्वासन दिया था, जो वर्तमान में डेढ़ लाख के ऊपर पहुंच गया है। इस संख्या में अभी भी वृद्धि जारी है।

हिमाचल की ग्रामीण सड़कों के लिए केंद्र से बड़े पैकेज की उम्मीद, दिल्ली में हुई बैठक

शिमला : हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी, ग्रामीण और दूर-दराज इलाकों को सड़क से जोड़ने की योजना को लेकर एक अहम पहल सामने आई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाझ्रचार (ढटॠ -क्ट) के तहत राज्य के लिए हजारों करोड़ रुपये के प्रस्तावों पर केंद्र सरकार के स्तर पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। इस योजना के जरिए उन गांवों तक सड़क पहुंचाने का लक्ष्य है, जो अब तक संपर्क से बाहर रहे हैं। इसी सिलसिले में गुरूवार देर शाम हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। बैठक में ढटॠ -क्ट के तहत राज्य को मिलने वाली स्वीकृतियों और लंबित प्रस्तावों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। लोक निर्माण मंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि ढटॠ -क्ट के तहत हिमाचल प्रदेश के लिए करीब 2300 करोड़ रुपये की कुल परियोजना लागत वाला पैकेज प्रस्तावित है। इसके अंतर्गत राज्य सरकार की ओर से 294 सड़क प्रस्ताव भेजे गए हैं, जिनकी कुल लंबाई 1538 किलोमीटर है। इन सड़कों के बनने से 250 से अधिक बस्तियां जुड़ेंगी, जबकि 429 ऐसी बस्तियों को पहली बार सड़क सुविधा मिलेगी, जो अभी तक पूरी तरह असंपर्कित हैं। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि यह पैकेज हिमाचल के पहाड़ी और दुर्गम ग्रामीण इलाकों के लिए सामाजिक और आर्थिक बदलाव का बड़ा अवसर है। बेहतर सड़कों से लोगों की रोजमर्रा की आवाजाही आसान होगी और स्वास्थ्य, शिक्षा व रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच मजबूत होगी। उन्होंने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि इन प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृति दी जाए, ताकि योजनाओं को तेजी से जमीन पर उतारा जा सके। बैठक के दौरान लोक निर्माण मंत्री ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाझ्रएक के तहत डोडरा क्वार क्षेत्र की लरोतझ्रकिटरवाड़ी सड़क के तीन शेष पैकेजों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र अत्यंत दुर्गम, ऊंचाई वाला और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाला है। ऐसे में योजना की औपचारिक अवधि समाप्त हो जाने के बावजूद इन पैकेजों को जनहित में सहानुभूतिपूर्वक शामिल किया जाना जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने हिमाचल प्रदेश में चल रहे विभिन्न सड़क निर्माण कार्यों के लिए केंद्र से करीब 76 करोड़ रुपये की लंबित राशि जल्द जारी करने का भी आग्रह किया, ताकि परियोजनाओं की गति तेज हो सके। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण सड़क नेटवर्क को और मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने अधिकारियों को लंबित राशि शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए और डोडरा क्वार सड़क के मामले को सरकार के उपयुक्त स्तर पर उठाने की बात कही।

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी: कोहरा कम होते ही बर्फीली हवाओं का कहर

जयपुर : राजस्थान में कोहरे के असर में कमी आने के बाद अब बर्फीली हवाओं ने सर्दी को ज्यादा तीखा कर दिया है। प्रदेश के कई हिस्सों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। चित्तौड़गढ़ में शुक्रवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जहां विजिबिलिटी 10 मीटर से भी कम रही। वहीं, जैसलमेर में गाड़ियों पर बर्फ की परत जम गई, जिससे रेगिस्तानी इलाकों में भी सर्दी का असर नजर आने लगा है। सर्दी के प्रकोप को देखते हुए राज्य के 25 जिलों में स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने शुक्रवार को 18 जिलों में कोहरे का येलो अलर्ट और चार जिलों में शीतलहर का येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 10 और 11 जनवरी को भी प्रदेश में ठंड का असर बना रहेगा।
गुरुवार को राज्य के कई शहरों में न्यूनतम तापमान में गिरावट आ गई। सीकर प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा, जहां न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, जैसलमेर में तापमान पहली बार इस सीजन में पांच डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया। जैसलमेर के चांधन कस्बे में शुक्रवार सुबह गाड़ियों पर बर्फ की परत जम गई। अलवर में शुक्रवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली और शहर के कई इलाकों में हल्की बारिश (मावठ) हुई, जिससे ठंड और बढ़ गई। उदयपुर में गोगुंदा का तापमान जमाव बिंदु पर पहुंच गया है। कई इलाकों में तापमान 0 डिग्री सेल्सियस तक मापा गया है। गोगुंदा के दादिया इलाके में खेतों पर बर्फ की चादर जम गई। घने कोहरे के कारण पिंडवाड़ा-गोगुंदा हाईवे पर दृश्यता काफी कम हो गई है। नेशनल हाईवे-27 पर वाहन रेंग-रेंग कर चल रहे हैं। वाहन चालक हेडलाइट जलाकर अपने वाहन चलाने को मजबूर हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान भरतपुर और कोटा संभाग में घना कोहरा छाया रहा, जबकि दोपहर बाद हल्की धूप निकलने से कुछ राहत मिली। प्रदेश में सबसे कम अधिकतम तापमान करौली में 11.2 डिग्री सेल्सियस मापा गया। प्रदेश के श्रीगंगानगर में 12.3, झुंझुनूं में 15.9, चूरू में 15.3, वनस्थली (टोंक) में 16.6, दौसा में 16.2, बीकानेर में 17.5, जैसलमेर में 17.8, अलवर में 17, जयपुर और सीकर में 19-19 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान जालोर में 23.3 डिग्री सेल्सियस मापा गया।
मौसम विभाग ने लोगों को शीतलहर और घने कोहरे को देखते हुए सतर्क रहने, सुबह-शाम अनावश्यक यात्रा से बचने और बुजुर्गों व बच्चों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है।

अवैध संबंधों के चलते युवक की हत्या, तीन गिरफ्तार

मेदिनीपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले के केशपुर थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्या का मामला पुलिस ने उजागर किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि कथित रूप से पराई महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े जाने के बाद एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मीरपुर गांव निवासी शिशिर मल्लिक के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 23 दिसंबर को केशपुर ब्लॉक की एनायेतपुर ग्राम पंचायत अंतर्गत विश्वनाथपुर इलाके में महिला फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन चल रहा था। इसी दौरान शिशिर मल्लिक उर्मिला हेमब्रम के घर पहुंचा, जब उसका पति सुनील हेमब्रम घर पर मौजूद नहीं था। आरोप है कि सुनील के मित्र संतु मल्लिक ने शिशिर को उर्मिला के घर में प्रवेश करते देख लिया और इसकी सूचना फोन पर सुनील को दे दी। सूचना मिलते ही सुनील हेमब्रम घर पहुंचा और कथित रूप से अपनी पत्नी को शिशिर के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखकर आपा खो बैठा। आरोप है कि पहले उसने पत्नी के साथ मारपीट की और फिर संतु मल्लिक के साथ मिलकर शिशिर की बुरी तरह पिटाई की। पुलिस का दावा है कि दोनों की पिटाई से शिशिर की मौके पर ही मौत हो गई।

स्व.दिशोम गुरु शिबू सोरेन फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू

संवाददता

दुमका : शहर के बिरसा मुंडा आउटडोर स्टेडियम में गुरुवार को स्वर्गीय दिशोम गुरुजी शिबू सोरेन फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन दुमका फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा किया गया। टूर्नामेंट में कुल 32 टीमों ने भाग लिया। टूर्नामेंट के पहले दिन पहले राउंड ग्रुप अ की पहली मैच हुडिंग ईपील दुमका बनाम संत जेवियर कॉलेज महारो के बीच खेला गया। जिसका निर्णय पेनल्टी शूट के द्वारा हुआ जिसमें हुडिंग ईपील ने 4 - 3 मैच को जीत लिया। दूसरा मैच ब्रदर यूनाइटेड कड़हलबिल बनाम समीर 11 के बीच खेला गया, इस मैच का निर्णय भी पेनल्टी शूट द्वारा हुआ जिसमें ब्रदर यूनाइटेड कड़हलबिल ने 3- 2 जीत लिया। तीसरा मैच अ।छ दुमका बनाम ग्राम प्रधान 11 जामा के बीच खेला गया इस मैच का निर्णय भी पेनल्टी शूट द्वारा हुआ जिसमें अ।छ दुमका की टीम ने 4 - 3 से जीत हासिल की। चौथा मैच सागेन साकाम क्लब बनाम ढ।ऋ हॉस्टल दुमका के बीच हुआ जिसमें सागेन साकाम क्लब ने 2-0 से जीत हासिल की। पांचवां मैच साइक्लोन ऋछ दुमका बनाम राजबांध ऋछ द्वारा खेला गया जिसमें राजबांध ऋछ द्वारा 2-1 से जीत हासिल हुआ। छठा मैच ऊर।ढ 11 बनाम रेड माइनर दुमका के बीच खेला गया जिसमें रेड माइनर की टीम ने 2 - 0 से जीत हासिल की। सातवां मैच इ।ट।उ रांगा मिशन बनाम रफ्तार 11 के बीच खेला गया जिसमें रफ्तार 11 ने 2-0 से जीत हासिल की। आठवां मैच ऊ१।अ।उ सिद्धाचत्तर बनाम नीम बगान के बीच खेला गया इस मैच का निर्णय पेनल्टी शूट द्वारा हुआ जिसमें नीम बगान की टीम 5 - 4 से विजय हुई।

राउंड 2 का पहला मैच हुडिंग इपिल बनाम ब्रदर यूनाइटेड कड़हलबिल द्वारा खेला गया, मैच का निर्णय पेनल्टी शूट द्वारा हुआ जिसमें हुडिंग इपिल ने 4 - 3 से मैच को जीत लिया। दूसरा मैच अ।छ दुमका बनाम सागेन साकाम के बीच खेला गया, जिसमें अ।छ दुमका की की टीम ने 7-6 से इस मैच को जीत गई। राउंड 2 बाकी मैच आज को खेला जाएगा और ग्रुप इ का मैच शनिवार को खेला जाएगा।

इस टूनामेंट के उद्धाटन मैच के मुख्य अतिथि झारखंड मुक्ति मोर्चा दुमका जिलाध्यक्ष शिवा बास्की उपस्थित थे। साथ ही खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए दुमका फुटबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सुनील हेंब्रम, सचिव फरीद खान, कोषाध्यक्ष अजय मुर्मू, एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी सिद्धौर हांसदा, शहरोज शेख, केराप किशोर मुर्मू, कौशल दीपू मुर्मू, कुश्ती संघ के सचिव श्री बम बम उपस्थित थे। टूनामेंट में रेफरी के तौर पर इमानुएल किस्कू, विनय मुर्मू, पवन हेंब्रम, सुनील तुरी, नजीर मुर्मू, चंदन सोरेन,अजय किस्कू, सैमुएल टुडू थे।

दुमका में वकील की पत्नी का बाथरूम में जला शव बरामद

दुमका : दुमका कोर्ट के एक सीनियर अधिवक्ता संजीव कुमार गोराई की 53 वर्षीय पत्नी नमिता गोराई का बाथरूम से जला शव बरामद किया गया है। इस मामले में महिला के पति का कहना है कि बीमारी से परेशान होकर उसने खुदकुशी कर ली। पुलिस मामले के अनुसंधान में जुट गई है।

दरअसल अधिवक्ता संजीव कुमार का मकान दुधानी-रसिकपुर बाईपास रोड पर स्थित बगनोचा मोहल्ले में है। गुरुवार की दोपहर लगभग तीन बजे वह कोर्ट में थे। घर में अधिवक्ता की बूढ़ी मां और उनकी पत्नी नमिता गोराई थी। साथ में एक छोटा भाई भी रहता था, पर वह किसी काम के सिलसिले से बाजार गया था। घटना के संबंध में वकील का कहना है कि घर से निकलने से पहले पत्नी ने नाश्ता बनाकर उन्हें दिया था।

अपर समाहर्ता ने किया ऑन द स्पॉट कई समस्याओं का समाधान

संवाददाता

देवघर : जिले के अपर समाहर्ता हीरा कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। साथ ही मौके पर जिलास्तर के सभी अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इसके अतिरिक्त जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में भू-अर्जन व मुआवजा भुगतान से संबंधित, अनुकम्पा, बिजली बिल माफी, झारखण्ड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना, फसल बीमा योजना, भू-राजस्व, पेंशन, आवास से जुड़े मामलों को अपर समाहर्ता के समक्ष रखा। साथ ही अपर समाहर्ता द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।

इसके अलावे जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात अपर समाहर्ता श्री कुमार ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन की निगरानी की जा सके।जनता दरबार में जिला प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग ओम प्रियदर्शी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

घाटशिला और धालभूमगढ़ में लगा स्वास्थ्य मेला

जमशेदपुर : जिले के घाटशिला अनुमंडल अस्पताल समेत पोटका और धालभूमगढ़ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में शुक्रवार को स्वास्थ्य मेला का आयोजन होगा। जबकि, शनिवार को जुगसलाई एवं लावजोड़ा सीएचसी में स्वास्थ्य मेला लगाने की योजना है। सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मेला में जांच कर दवा देने के साथ ग्रामीणों को संक्रामक बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा। स्वास्थ्य मेला में डॉक्टर के साथ दर्जनों पारा मेडिकल कर्मचारी व सहिया शामिल होंगी।

दो अपराधियों ने लूटी महिला की सोने की चेन

पाउडर बेचने के बहाने घर में हुए थे दाखिल

संवाददाता

लातेहार : जिले के बालूमाथ में दो अपराधी दिनदहाड़े एक महिला के घर में घुसकर सोने की चेन लूटकर फरार हो गए। चेन की कीमत करीब दो लाख रुपए बताई जा रही है। दोनों चोर पाउडर बेचने के बहाने महिला के घर में घुसे थे। महिला को अकेली पाकर अपराधियों ने गले में पहनी सोने की चेन लूट ली और मौके से फरार हो गए। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जिसके आधार पर पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

पाउडर बेचने के बहाने घर में घुसे अपराधी

दरअसल, बालूमाथ ब्लॉक कॉलोनी निवासी गीता देवी गुरुवार को अपने घर में अकेली थी। लगभग 3:30 बजे बाइक पर सवार दो शख्स उनके घर के पास पहुंचे। इस दौरान उनमें से एक अपराधी ने आवाज देकर महिला को घर से बाहर बुलाया। जब पीड़िता गीता देवी घर से बाहर आई तो उनमें से एक शख्स ने कहा कि वह पाउडर बेचने वाला है। अपराधी ने पाउडर की खूबी के बारे में बताया कि इससे सभी प्रकार के बर्तन जेवर भी साफ हो जाते हैं। इस पर गीता देवी ने कहा कि घर में कोई नहीं है और उन्हें पाउडर भी नहीं लेना है। जिसके बाद अपराधी महिला से पानी मांगता है, इसी दौरान वह अचानक झपट्टा मारकर महिला के गले की चेन लूटकर फरार हो जाता है।

अपराधियों द्वारा लूट की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि पहले एक अपराधी मोटरसाइकिल के पास धीरे-धीरे आता है और अपना मोटरसाइकिल स्टार्ट करता है। पीछे से दूसरा अपराधी दौड़ता हुआ मोटरसाइकिल के पास आकर पीछे बैठ जाता है और उसके बाद दोनों फरार हो जाते हैं। सीसीटीवी फुटेज में दोनों अपराधियों के चेहरे दिख रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन की।

नौशाद आलम के योगदान देने के बाद से विभाग में दिखने लगा है कार्य प्रणाली

बिनय मिश्रा

भारतीय पुलिस सेवा 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी नौशाद आलम के डीआईजी विशेष शाखा के रूप में योगदान देने के पश्चात से विभाग अधीन कार्यों के निष्पादन एवं सुचारू रूप से कार्यों का निष्पादन बेहतर ढंग से होने लगा है। डीआईजी श्री आलम का मानना है कि विभाग अधीन कार्यों का ससमय और बेहतर ढंग से निष्पादन किया जाना विभाग की प्राथमिकता है।

गौरतलब हो कि श्री आलम झारखंड के तेजतर्रार और कर्मठ तथा उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाते हैं। इससे पूर्व वे डीआईजी कार्मिक व बजट तथा पलामू के डीआईजी भी रह चुके हैं तथा अपने बेहतर कार्यों से विभाग को भरपूर गति भी दी। ऐसे आईपीएस से विभाग और राज्य दोनों गौरवान्वित होते हैं।

कोडरमा में दम घुटने से दंपती की मौत

संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा थाना क्षेत्र के पुरनानगर में गुरुवार रात बोरसी के धुएं के कारण दम घुटने से एक दंपती की मौत हो गई है। मृतक दंपती की पहचान वीरेंद्र शर्मा उर्फ नन्हकू और उनकी पत्नी कांति देवी के रूप में की गई है।

रात में कमरे में बोरसी जलाकर सोए थे दंपती

घटना के संबंध में मृत दंपती की बड़ी बहू जयंती देवी ने बताया कि गुरुवार की शाम उनके ससुर वीरेंद्र शर्मा अपनी आंख संबंधित कुछ समस्या को लेकर सदर अस्पताल गए हुए थे। अस्पताल से वापस घर लौटने पर पूरा परिवार साथ में खाना खाया। जिसके बाद वीरेंद्र शर्मा और उनकी पत्नी कांति देवी रात के करीब 11:00 बजे अपने कमरे में सोने चले गए। अत्यधिक ठंड के कारण वीरेंद्र शर्मा और उनकी पत्नी कमरे में बोरसी जलाकर सोए हुए थे।

सुबह के वक्त कमरे में मृत मिले दंपती

दूसरे दिन शुक्रवार की सुबह करीब 6:00 बजे जब उनकी बहू झाड़ू लगाने के लिए अपने सास-ससुर के कमरे में पहुंची तो देखा कि कमरे में उनके सास और ससुर जमीन पर बेसुध अवस्था में गिरे हुए हैं। दोनों के नाक से खून निकल रहा था। जिसके बाद उसने शोर मचाकर अपने पति और परिवार के अन्य सदस्यों को उठाया।

इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन दोनों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच कर दोनों को मृत घोषित कर दिया। बता दें कि मृतक वीरेंद्र शर्मा कोडरमा बाजार में अपनी सैलून चला कर अपना और परिवार का जीवन-यापन करते थे। इधर, घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

इधर, घटना की जानकारी मिलने पर कोडरमा पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और पूरी घटना को लेकर मृत दंपती के पुत्र से लिखित बयान लिया। इसके बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।

थाना प्रभारी की पुष्टि

इस संबंध में कोडरमा थाना प्रभारी विकास पासवान ने बताया कि दंपती की दम घुटने से मौत की बात सामने आई है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण पता चल पाएगा।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई, भू-अर्जन और रिंग रोड घोटाला मामले में 17 लोग हिरासत में

संवाददाता

धनबाद : एसीबी ने भू-अर्जन और रिंग रोड घोटाला मामले में बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी की टीमों ने धनबाद समेत अन्य जिलों में एक साथ छापेमारी की है। जानकारी के अनुसार, एसीबी ने 17 लोगों को हिरासत में लिया है।

रात भर चली इस छापेमारी में एसीबी की 10 टीमें लगी रहीं। धनबाद के अलावा रांची, दुमका, गिरिडीह और देवघर में छापेमारी चली। छापेमारी के दौरान पुलिसबल ने भी मदद की।

एसीबी की इस कार्रवाई में तत्कालीन बर्खास्त जिला भूमि अर्जन पदाधिकारी (डीएलओ) उदयकांत पाठक, तत्कालीन अंचल अधिकारी विशाल कुमार, तत्कालीन सर्किल इंस्पेक्टर नीलम सिन्हा, कुमारी रत्नाकर समेत अन्य अधिकारी और कर्मी की गिरफ्तारी की सूचना है।

समाजसेवी रमेश रही की शिकायत पर 2016 में मामला दर्ज हुआ था। उस समय भू-अर्जन घोटाले में कुल 34 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। सरकारी भूमि अधिग्रहण के दौरान नियमों की अनदेखी करते हुए भूमि से संबंधित अभिलेखों में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं बरतने का आरोप था।

मिली जानकारी के अनुसार, रिंग रोड घोटाले से भी इसके तार जुड़े हुए हैं। इस मामले में वर्ष 2015 में भी समाजसेवी रमेश रही ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर जांच आगे बढ़ी। वहीं समाजसेवी रमेश रही ने कहा कि उन्होंने साल 2013 में मामले को उठाया था। साल 2016 में मामला दर्ज किया गया था। रिंग रोड का निर्माण जनता की सुविधाओं के लिए किया गया था, लेकिन उसके लिए जिन जमीनों का अधिग्रहण हुआ, उनके बदले दी जाने वाली मुआवजा राशि में बड़े पैमाने पर घोटाला किया गया।

भू-अर्जन अधिकारी, भू-अर्जन कार्यालय एवं अंचल कार्यालय से जुड़े अधिकारियों ने मिलीभगत के माध्यम मुआवजा राशि में घोटाला किया। 100 से 150 करोड़ रुपये से अधिक का यह घोटाला है। शिकायतकर्ता रमेश रही ने इस कार्रवाई के लिए एसीबी को धन्यवाद दिया है। साथ ही उन्होंने घोटाले में शामिल सभी आरोपियों की संपत्ति जब्त करने की मांग की है।